www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
9 जून 2026
वर्ष: 49
अंक: 47 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, 32 की मौत

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इमारतों में ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक अब तक 32 लोगों की मौत हुई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में था। यह सारंगानी प्रांत के मासीम कस्बे से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और 33 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों का कहना है कि यह इस साल फिलीपींस में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है। भूकंप के बाद सुनामी भी आई। सबसे ऊंची लहर की ऊंचाई 1.4 मीटर (करीब 4.6 फीट) रही। एहतियात के तौर पर इंडोनेशिया और मलेशिया ने भी सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे कुछ घंटों बाद वापस ले लिया गया। फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान (फिवोल्क्स) ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे तक 138 आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। इन झटकों की तीव्रता 1.3 से 6.7 के बीच रही। 7 लाख से ज्यादा आबादी वाले बंदरगाह शहर जनरल सैंटोस में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

खड़गे बोले: सीबीएसई और नीट गड़बड़ी पर शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें

एसआईआर में करोड़ों वोटर के नाम काटे, इसके खिलाफ इंडिया ब्लॉक सीजेआई को लेटर लिखेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। INDIA ब्लॉक की 2 साल बाद हुई 7वीं बैठक में सोमवार को 25 दलों के नेता शामिल हुए। दिल्ली में हुई बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, सुप्रिया सुले, कपिल सिब्बल समेत कई नेता मौजूद रहे। वहीं उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन वर्चुअली जुड़े। मीटिंग के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- 2 घंटे से ज्यादा चली बैठक में 5 मुद्दों पर सहमति बनी है। NEET में देश के युवाओं के साथ धोखा हुआ है। NEET और CBSE की गड़बड़ी के लिए शिक्षा मंत्री जिम्मेदार हैं, वह तुरंत इस्तीफा दें। खड़गे ने कहा कि रक्फ में करोड़ों वोटर के नाम कटे। SIR और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर CJI को लेटर लिखेंगे। सरकार को महंगाई, बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। गठबंधन हर 2 महीने में और मानसून सत्र के दौरान भी बैठक करेगा। अगली बैठक 8 अगस्त को हैदराबाद में होगी। दिल्ली की अकबर रोड पर सोमवार सुबह कुछ पोस्टर लगाए गए थे। हालांकि पोस्टर किसने लगाए इसका पता नहीं चल सका है। पोस्टर में राहुल गांधी की तस्वीर थी और कांग्रेस के खिलाफ बयानबाजी थी। दोपहर में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और पोस्टर को फाड़ा। एक पोस्टर में NCP-SCP चीफ शरद पवार की तस्वीर लगी थी, लिखा था- राहुल गांधी में कंसिस्टेंसी (स्थिरता) की कमी है। INDIA ब्लॉक की पिछली बैठक एक जून 2024 को दिल्ली में खड़गे के घर पर हुई थी। यानी, पूरे 2 साल के बाद गठबंधन के नेता एकसाथ जुटे। इस बैठक पर NCP-SCP चीफ शरद पवार ने कहा कि मौजूदा समय में ब्लॉक के सभी दलों को एकजुट रखना सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि एक तरफ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार है, वहीं दूसरी तरफ वे दल हैं जो उसके नेतृत्व को स्वीकार नहीं करते। ऐसे सभी दल साथ आए हैं। गठबंधन के भीतर मौजूद मतभेदों को दूर करने के सभी सीनियर लोगों से बातचीत की जाएगी और कोई न कोई समाधान निकाला जाएगा। पवार ने कहा कि मुझे भरोसा है कि इसका रास्ता निकलेगा। अगले 2-3 सालों में कोई बड़ा चुनाव नहीं है, इसलिए यह समय सभी सहयोगी दलों को साथ रखने और गठबंधन को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है। खड़गे ने कहा कि आज की बैठक में 25 पार्टियां शामिल हुई हैं। वहीं, INDIA ब्लॉक से बीते 3 साल में 3 पार्टियां अलग हो चुकी हैं। इनमें JDU 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान, AAP दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान और DMK हाल में हुए तमिलनाडु चुनाव के बाद ब्लॉक से दूर हुई। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- संविधान पर हमले जारी हैं और जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। आर्थिक माहौल कमजोर है और निवेश अपेक्षित गति से नहीं आ रहा, जिससे रोजगार पर असर पड़ रहा है।

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में बड़ा हादसा

पिघले हुए लोहे की चपेट में आने से आठ श्रमिकों की मौत

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में हुए एक बड़े हादसे में आठ श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना एसएमएस-2 और एसटीसी-3 हीट फैसिलिटी में बड़ी मात्रा में पिघले हुए स्टील के रिसाव के कारण हुई। जानकारी के अनुसार, हादसा एक लैडल में विस्फोट होने के बाद हुआ, जिसके चलते पिघला हुआ स्टील बाहर फैल गया। घटना में कई श्रमिक इसकी चपेट में आ गए। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगलापुडी अनिता ने हादसे पर प्रतिक्रिया देते हुए विशाखापत्तनम के जिला कलेक्टर और पुलिस आयुक्त से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गृह मंत्री ने बचाव एवं राहत कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिए हैं। गृह मंत्री के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) के अनुसार, घटना की जानकारी मिलते ही वंगलापुडी अनिता दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो गईं। साथ ही वह लगातार अधिकारियों के संपर्क में रहकर आवश्यक निर्देश दे रही हैं। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, इस घटना में साइट पर मौजूद कई कर्मचारी बुरी तरह झुलस गए हैं। रिसाव के बाद आग लगने से कुछ कर्मचारियों के यूनिट के अंदर फंसे होने की आशंका है। फायर और इमरजेंसी सर्विस की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं और आग बुझाने व बचाव कार्य में जुटी हैं। घायल और फंसे हुए कर्मचारियों की सही संख्या की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मणिपुर के उखरुल में असम राइफल्स का विरोध, बंकर तोड़ा

उखरुल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले के शोक्वाओ और न्यू हेवन इलाके में रविवार सुबह सैकड़ों महिलाएं असम राइफल्स के जवानों और वाहनों के आगे दीवार बनकर खड़ी हो गईं। मशालें, लाठियां लिए ये तंग्खुल नगा महिलाएं जवानों को आगे नहीं बढ़ने दे रही थीं। सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी। इसके बावजूद वे डटी रहीं और हमारी जमीन, हमारा अधिकार नारे लगाती रहीं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, जवानों ने पुलिस और मजिस्ट्रेट की गैरमौजूदगी में कई राउंड हवाई फायर किए और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं से धक्का-मुक्की भी की गई। हालांकि सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में जवानों ने यह दावा किया है कि विरोध कर रही महिलाओं ने उन पर पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की। रिपोर्ट्स में एक प्रदर्शनकारी के पैर पर गोली लगने का दावा किया गया। वहीं, 22 महिलाएं घायल हो गईं। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक, शोक्वाओ गांव की महिलाओं ने न्यू हेवन की ओर बढ़ रहे काफिले को शनिवार देर रात ही रोक लिया था।

ममता के 28 में से 20 लोकसभा सांसद टूटे

एनडीए का समर्थन करेंगे, स्पीकर को जानकारी दी, एक राज्यसभा सांसद का भी इस्तीफा

कोलकाता (एजेंसी)। विधायकों के बाद अब तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने भी ममता का साथ छोड़ दिया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, लोकसभा के 28 सांसदों में से 20 ने एनडीए सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है। सांसद और TMC की पूर्व नेता काकोली घोष दस्तीदार ने भी सोमवार को यही दावा किया। उन्होंने बताया कि 20 सांसदों ने NDA को समर्थन देने की जानकारी लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को दे दी है। जल्द ही स्पीकर को पत्र भी भेज दिया जाएगा। इनमें से 11 सांसदों ने सोमवार दोपहर केंद्रीय मंत्री और इखढ के बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव के घर पर मीटिंग की। इस दौरान बंगाल उट शुभेंदु अधिकारी भी इनसे मिलने पहुंचे। इस बैठक में लोकसभा सांसद काकोली घोष, शताब्दी रॉय, अबू ताहिर, अरूप चक्रवर्ती, खलीलुर रहमान, शर्मिला सरकार, असित मल, कालीपद सोरेन, जगदीश बसुनिया और प्रसून बनर्जी मौजूद रहे। लोकसभा में TMC के अभी 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। इससे पहले 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट ने ऋतब्रत को अपना नेता बनाया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, टीएमसी के 20 सांसदों की रविवार देर रात दिल्ली के एक अज्ञात स्थान पर अनौपचारिक बैठक भी हुई। इसमें सांसदों ने मौजूदा नेतृत्व व्यवस्था को लेकर असंतोष जताया। सोमवार को इस बैठक की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई। कई TMC सांसद एक मेज के आसपास बैठे दिखाई दे रहे हैं। उस समय एक सांसद के फोटो खींचने पर विवाद भी हुआ। इसमें सुखेंदु शेखर रे भी बैठे दिखाई दे रहे हैं। TMC के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर ने सुबह ही राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी। त्यागपत्र में उन्होंने ममता के 15 साल के अराजक शासन को पार्टी की हार का नतीजा बताया और भाजपा की तारीफ की थी। राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने सुखेंदु शेखर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। सुखेंदु ने इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा था कि पार्टी के कई लोग ममता मनमाने ढंग से पार्टी चला रही थीं, इसी वजह से उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उनका कार्यकाल 2029 तक था। अब सीट खाली हो चुकी है, अब इस पर उपचुनाव कराया जा सकता है। सुखेंदु शेखर के इस्तीफे पर बंगाल में TMC के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि यह सिर्फ सुखेंदु की निजी बात नहीं है। मैंने सुखेंदु से सीधे बात नहीं की है, लेकिन टीवी पर उनके बयान देखे और सुने हैं। मैं उनकी बातों से सहमत हूं। राज्यसभा के कामकाज को लेकर सुखेंदु की बात काफी हद तक सही है। संसद कोई क्विज खेलने की जगह नहीं है। उधर, टीएमसी ने बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष (LoP) बनाए जाने के विधानसभा स्पीकर के फैसले को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

बिना शादी सहमति से संबंध खराब चरित्र का आधार नहीं, सुप्रीम कोर्ट बोला: रिश्ता टूटने को धोखा नहीं मान सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि दो अविवाहित बालिगों के बीच सहमति से बने शारीरिक संबंध को किसी व्यक्ति के चरित्र पर सवाल उठाने का आधार नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई कानून नहीं है, जो दो बालिग और अविवाहित लोगों को अपनी पसंद का संबंध रखने से रोकता हो। रिश्ता टूटने को धोखा नहीं माना जा सकता। जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह टिप्पणी तेलंगाना स्टेट लेवल पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड के एक मामले की सुनवाई के दौरान की। बोर्ड ने आरोपी को नैतिक दोषी मानते हुए

उसकी भर्ती रद्द कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कैंडिडेट को पुलिस में नियुक्ति देने का निर्देश दिया। उम्मीदवार की नियुक्ति रद्द की गई थी क्योंकि उसके खिलाफ 2014 में शादी का वादा कर दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। भर्ती बोर्ड ने इसे नैतिक अधमता (मॉरल टरपिट्यूड) का मामला मानते हुए उसे अयोग्य ठहराया था। कैंडिडेट ने इसे चुनौती दी थी। हालांकि, यह मामला एक असफल प्रेम संबंध से जुड़ा था। रिकॉर्ड के अनुसार, उम्मीदवार और शिकायतकर्ता पड़ोसी थे और करीब चार साल तक रिश्ते में रहे थे। बाद में उम्मीदवार के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कराया गया था। बाद में दोनों के बीच समझौता हो गया और 2015 में लोक अदालत में मामला खत्म कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपराधिक कानून में तब तक निर्दोष मानने का सिद्धांत लागू होता है, जब तक अदालत में आरोप साबित न हो जाएं। इस मामले में आरोप धोखाधड़ी का था। धोखाधड़ी साबित करने के लिए यह दिखाना जरूरी होता है कि किसी व्यक्ति को झूठे बहाने से गुमराह किया गया।

विजयवर्गीय का दावा: बीजेपी के साथ रहेंगी निर्मला सप्रे

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश कोटे की तीसरी राज्यसभा सीट के लिए बीजेपी कैंडिडेट महेश केवट ने नामांकन भर दिया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- मुझे पूरा भरोसा है कि भारतीय जनता पार्टी अपने तीसरे प्रत्याशी को भी विजय मार्ग पर लेकर चलेगी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दावा किया- बीना विधायक निर्मला सप्रे बीजेपी के साथ रहेंगी। इससे पहले, कांग्रेस कैंडिडेट मीनाक्षी नटराजन पार्टी के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और विधायकों के साथ विधानसभा पहुंचीं। यहां राज्यसभा चुनाव के लिए नॉमिनेशन दाखिल किया। नटराजन ने कहा- हम सब एकजुटता से लड़ेंगे और जीतेंगे। दूसरी तरफ, भोपाल की हुजूर सीट से दो बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके नरेश ज्ञानचंदानी ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। वे मीनाक्षी नटराजन को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने से नाराज हैं। एक अन्य घटनाक्रम में बीना विधायक निर्मला सप्रे आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने सीएम हाउस गई थीं। हालांकि, यहां क्या चर्चा हुई, इसका पता नहीं चल सका है।

होर्मुज में जलते जहाज से 24 भारतीयों का रेस्क्यू

ईरान बोला: अब इजराइल पर हमले नहीं, भारत ने नागरिकों को ईरान छोड़ने को कहा

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। होर्मुज स्ट्रेट के पास एक तेल टैंकर में आग लगने के बाद उस पर सवार 24 भारतीय नाविकों को इंडियन नेवी ने बचा लिया है। शुरूआती रिपोर्टों में जहाज पर हमले की आशंका जताई गई है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच ईरान ने घोषणा की है कि उसने फिलहाल इजराइल के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई रोक दी है। हालांकि उसने चेतावनी दी कि अगर इजराइल ने फिर से लेबनान या अन्य जगहों पर हमला किया तो उसे पहले से ज्यादा सख्त जवाब दिया जाएगा। दूसरी ओर अमेरिका युद्धविराम और शांति समझौते की कोशिशों में जुटा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि इजराइल और ईरान दोनों संघर्ष रोकना चाहते हैं और अंतिम समझौते को लेकर बातचीत आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि समझौता होने तक ईरान पर लगी नाकाबंदी जारी रहेगी। हालात को देखते हुए भारत सरकार ने ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द वहां से निकलने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर भारतीयों की मदद के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। ईरान ने कहा है कि उसके सुरक्षा बलों ने देश के दक्षिण-पूर्वी इलाके सीस्तान-बलूचिस्तान में बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान 5 लोगों को मार दिया गया और 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया। ईरानी अधिकारियों का दावा है कि ये लोग हमले की तैयारी कर रहे थे। उनका कहना है कि सुरक्षा बलों ने समय रहते कार्रवाई कर किसी बड़े हमले को रोक दिया। सीस्तान-बलूचिस्तान ईरान का वह इलाका है जो पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा के पास स्थित है। यहां पहले भी सुरक्षा बलों और सशस्त्र समूहों के बीच टकराव की घटनाएं होती रही हैं। हमास ने लेबनान पर इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान और हूती लड़ाकों की तरफ से की गई कार्रवाई का समर्थन किया है। संगठन ने कहा कि वह ईरान और यमन की प्रतिक्रिया की सराहना करता है। एक बयान में हमास ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव और संघर्ष की मुख्य वजह इजराइल की नीतियां और उसकी सैन्य कार्रवाई हैं। संगठन का कहना है कि लेबनान, गाजा और ईरान में हो रही घटनाओं के पीछे इजराइल की भूमिका है। हमास ने यह भी आरोप लगाया कि इजराइल बार-बार अपने वादों और समझौतों से पीछे हटता है। उसके मुताबिक, इजराइल ऐसे समझौतों का सम्मान नहीं करता जिन पर वह खुद हस्ताक्षर करता है। यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल को चेतावनी दी है कि बाब अल मंदब स्ट्रेट से गुजरने वाले इजराइली जहाजों को निशाना बनाया जाएगा। वे इजराइल के खिलाफ समुद्र में पूरी घेराबंदी लागू करेंगे। हूतियों का दावा है कि पहले भी उन्होंने लाल सागर में इजराइल से जुड़े कई जहाजों पर हमले किए हैं। इन हमलों की वजह से इजराइल के इलात बंदरगाह पर भी असर पड़ा था, जो एशिया के साथ उसके व्यापार का अहम रास्ता है।

असम में 12 मंत्रियों को विभाग आवंटित

सीएम हिमंत ने गृह समेत कई विभाग अपने पास रखे

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम की राजनीति से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी कैबिनेट का विस्तार करते हुए सभी नए मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया है। सोमवार को मुख्यमंत्री ने कुल 12 नवनियुक्त मंत्रियों को उनके मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंप दी। इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल के बाद राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण विभाग अपने पास ही रखे हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सरकार की कमान पूरी तरह अपने

हाथों में रखी है। उन्होंने गृह और राजनीतिक विभाग को किसी अन्य को नहीं सौंपा है। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग और ऊर्जा मंत्रालय भी मुख्यमंत्री के पास ही रहेगा। सरमा सूचना और जनसंपर्क विभाग की जिम्मेदारी भी खुद संभालेंगे। इसके अतिरिक्त जो विभाग किसी अन्य मंत्री को आवंटित नहीं किए गए हैं, वे सभी मुख्यमंत्री के पास ही रहेंगे। इस नए विभाग आवंटन में मुख्यमंत्री ने अपने पुराने और अनुभवी सहयोगियों पर भारी भरोसा जताया है। वरिष्ठ मंत्रियों के विभागों में ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की गई है। वरिष्ठ मंत्री रानोज पेगु शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। वहीं अशोक सिंघल को उनका पुराना स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय वापस मिला है। सिंघल इसके साथ ही चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग का काम भी देखेंगे। सरकार ने इस बार कई युवा और भरोसेमंद चेहरों को आगे बढ़ाया है। बिमल बोरा को सांस्कृतिक मामलों के मंत्रालय की कमान सौंपी गई है। बोरा इसके साथ उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम विभाग भी संभालेंगे। उनके पास एक्ट ईस्ट पॉलिसी मामलों का जिम्मा भी रहेगा। सबसे बड़ा चौंकाने वाला फैसला वित्त मंत्रालय को लेकर रहा। मुख्यमंत्री के बेहद करीबी सहयोगी जयंत मल्ला बरुआ को असम का नया वित्त मंत्री बनाया गया है। बरुआ को यह बड़ी जिम्मेदारी मिलने से सरकार में उनका कद काफी बढ़ गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी आधिकारिक जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि असम के माननीय राज्यपाल की मंजूरी के बाद, मुझे असम सरकार के मंत्रिपरिषद के सदस्यों के बीच विभागों के आवंटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। असम में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया दो चरणों में पूरी हुई है।

सीएम धामी ने की यमुना नदी पर पुल बनाने सहित आधा दर्जन घोषणाएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री केदार सिंह स्टेडियम, नागथात, देहरादून में आयोजित जौनसार बावर लोक सांस्कृतिक महोत्सव एवं क्रीड़ा समारोह-2026 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. श्री केदार सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान समरजेंस मोटर मार्ग का चौड़ीकरण और डामरीकरण का कार्य किए जाने, प्राथमिक विद्यालय नागथात को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किए जाने, वि.ख. चकराता के बागी-खेड़ा-कोटा-तपलाड मार्ग में यमुना नदी पर 60 मी. स्पैन पुल का निर्माण कार्य किए जाने, चकराता के क्यारापुल-डामटा-म्यूँडा मोटर मार्ग के कि.मी. 22 से छामरी एवं जाखणी तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य, विकासखंड कालसी के अंतर्गत ग्राम सकरोल से ग्राम भोड़ा-भालनू एवं उटेल होते हुए द्वितीय सिद्ध पीठ श्री महासू महाराज थैना तक मोटर मार्ग का निर्माण कार्य, वि.ख. चकराता के अंतर्गत ग्राम खबऊ के अन्तर्गत खेड़ा रमारका-कुन्ना-बुराष्टी में यमुना नदी से पम्पिंग पेयजल योजना बनाए जाने, वि.ख चकराता के जगथान बुरायला मार्ग से ग्राम उदांवा तक सडक निर्माण को प्रस्तावित किए जाने एवं क्षेत्र की कनेक्टिविटी को और मजबूत करने के लिए द्वीना से बिसोई खुना अलमान तक नए संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने श्री महासू देवता को नमन करते हुए कहा कि जौनसार बावर सांस्कृतिक पुनरूत्थान समिति पिछले 33 वर्षों से इस उत्सव के माध्यम से धरोहर को बचाने का कार्य कर रही है। कहा कि जौनसार भाबर प्राकृतिक सुंदरता के साथ अपनी मेहनतकश, सरल और स्वाभिमानी जनता के लिए जाना जाता है।

सब्जी मंडी में अतिक्रमण पर होगी कार्रवाई

उत्तरकाशी। नगर पालिका परिषद बाड़ाहाट की सोमवार को आयोजित बैठक में सब्जी मंडी क्षेत्र की व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में व्यापारियों को साफ निर्देश दिए गए कि वे अपनी दुकानों के बाहर सामान न फैलाएं। निर्धारित सीमांकन के भीतर ही अपना व्यापार संचालित करें। नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की जाएगी।नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी शालिनी चित्राण ने बताया कि बाजार क्षेत्र को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सभी दुकानदारों के लिए अपने प्रतिष्ठानों के बाहर डस्टबिन रखना अनिवार्य किया जाएगा। इससे सूखा और गीला कचरा अलग-अलग एकत्र किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सब्जियों और अन्य जैविक अपशिष्ट से निकलने वाले कचरे को गोवंश के उपयोग के लिए पालिका की गोफियारा गोशाला भेजने की व्यवस्था भी की जाएगी। बैठक में बाजारी शुल्क में संशोधन का प्रस्ताव भी रखा गया। ईओ के अनुसार इस प्रस्ताव को आगामी बोर्ड बैठक में मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

एनएसयूआई ने सचिवालय कूच कर केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा

देहरादून। नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधली के विरोध में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सोमवार को सचिवालय कूच किया। इस दौरान उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा मांगा। उधर पुलिस बल ने बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को आगे जाने से रोक दिया। जैसे ही कार्यकर्ता बैरीकेडिंग पर चढ़े, उनके उपर पुलिस ने पानी की बौछार शुरू कर दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का मुक्की भी हुई। एनएसयूआई के कार्यकर्ता राजपुर रोड स्थित कांग्रेस भवन में एकत्रित हुए। यहां से सभी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में सचिवालय घेराव के लिए निकले। उन्होंने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। हालांकि पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को सुभाष रोड पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कई बार तीखी नोकझोंक और धक्का मुक्की हुई। इसी बीच कुछ कार्यकर्ता बैरिकेडिंग के उपर चढ़ गए। उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पेपर लीक के मामलों को लेकर अपना आक्रोश प्रकट किया। प्रदर्शनकारियों को बैरिकेडिंग से नीचे उतारने के लिए पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। पानी की बौछार होने के बाद भी कई प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग के ऊपर डटे रहे.

पूर्व सीएम हरीश रावत समर्थन में पहुंचे: छात्रों के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, कांग्रेस पार्टी के चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह भी प्रदर्शन में शामिल हुए। हंगामा बढ़ता देख पुलिस ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं समेत प्रीतम सिंह को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन भेज दिया।

सरकार पर साधा निशाना: प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आज देश भर में परीक्षा प्रणाली संदेह के घेरे में आ गई है। लगभग सभी पेपर संपन्न होने से पहले ही लीक हो रहे हैं। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि इसमें कहीं ना कहीं भाजपा से जुड़े लोगों की साठ गांठ है। सचिवालय कूच के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि देश के शिक्षा मंत्री को अपने पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफा देने की मांग की। कांग्रेस नेतओं ने आरोप लगाया कि पूरे देश भर में सैकड़ों बच्चे पेपर लीक का शिकार होकर आत्महत्या कर चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

बालिका शिक्षा केंद्र जुणगा को मिला सामुदायिक सहयोग

उत्तरकाशी। डुंडा के जुणगा में बालिका शिक्षा को मजबूत करने के लिए एक प्रेरणादायक पहल हुई। बालिका शिक्षा केंद्र जुणगा में अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई जिसमें शिक्षा, सहभागिता और सामुदायिक सहयोग का अच्छा उदाहरण देखने को मिला। बैठक में बालिकाओं की नियमित उपस्थिति, शैक्षणिक प्रगति, शिक्षण गुणवत्ता और केंद्र के समग्र विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानाचार्य अन्नराज सिंह भंडारी ने केंद्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक पंखा, 10 गद्दे और एक जालीदार दरवाजा प्रदान किया। वहीं चरण सिंह भंडारी ने 2100 रुपये की सहयोग राशि देकर योगदान दिया। ग्राम प्रधान अनिल सिंह भंडारी ने भी शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए शिक्षिका पूजा कैंतुरा को ग्राम पंचायत की ओर से 2000 रुपये प्रतिमाह सहयोग राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा ही गांव के उज्ज्वल भविष्य की असली बुनियाद है।

उत्तराखंड के पारम्परिक खेल और साहित्य हमारी धरोहर

देहरादून। दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र की ओर से सोमवार को साहित्यकार एवं शोधकर्ता डॉ. सुरेन्द्र दत्त सेमल्टी की दो कृतियों 'उत्तराखंड का पारम्परिक बाल साहित्य' तथा 'उत्तराखंड के पारम्परिक बाल मनोरंजन व खेल' पर एक विशेष परिचर्चा हुई। बाल मनोविज्ञानी अंबरीश बिष्ट ने कहा कि उत्तराखंड के पारम्परिक समाज में बच्चों का जीवन प्रकृति, लोकसंस्कृति, परिवार और सामुदायिक जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है। डॉ.सेमल्टी ने कहा कि राज्य के पारम्परिक खेल और साहित्य का संरक्षण जरुरी है। साहित्यकार महाबीर रवांल्टा ने कहा कि डॉ. सेमल्टी ने अपने व्यापक अध्ययन, क्षेत्रीय भ्रमण से उन पारम्परिक खेलों, लोकगीतों और बाल साहित्यिक परम्पराओं का संकलन किया है, जो समय के साथ विलुप्त होने की कगार पर पहुंच रही हैं। प्रो. अल्का मोहन शर्मा, प्रो. गुड्डी बिष्ट, रानू बिष्ट, रमाकांत बेंजवाल, ओमप्रकाश सेमवाल, कांता घिल्डियाल, बीना बेंजवाल, चंद्रशेखर तिवारी, प्रवीन भट्ट, देवेन्द्र कांडपाल, कल्याण बुटोला, डॉ. डीके पाण्डे, डॉ. लालता प्रसाद, डॉ. इन्द्रजीत सिंह उपस्थित रहे।

वृद्ध विधवा की जमीन कब्जाने के प्रयास में चार प्रॉपर्टी डीलरों पर केस

देहरादून। शीशमबाड़ा क्षेत्र में देहरादून-पांवटा हाईवे के समीप स्थित एक कीमती जमीन पर जबरन कब्जा करने के आरोप में पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने चार प्रॉपर्टी डीलरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एक वृद्ध व विधवा महिला की शिकायत पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। इंस्पेक्टर पटेलनगर विनोद गुसाईं ने बताया कि शिमला बाईपास रोड, आर्केडिया ग्रांट स्थित बालाजी एन्क्लेव निवासी सरोजबाला ने सीओ सदर कार्यालय में तहरीर दी। बताया कि उन्होंने जुलाई 2021 में शीशमबाड़ा में एक जमीन खरीदी थी। हाल में जमीन के दक्षिण दिशा से देहरादून-पांवटा हाईवे बनने के कारण जमीन कीमती हो गई है। आरोप है कि प्रॉपर्टी डीलर जावेद खान निवासी परबल, नरेंद्र कुमार राणा, दिग्विजय डोभाल और शिव प्रसाद इस जमीन पर जबरन कब्जे का प्रयास कर रहे हैं। महिला का आरोप है कि इन डीलरों की अपनी जमीन वहां से काफी दूर है। फिर भी वे झूठा दावा कर और डरा-धमका कर उनकी जमीन हथियाना चाहते हैं।

प्रेमनगर के चारों वार्डों में एसआईआर प्रक्रिया का शुरू

देहरादून। प्रेमनगर क्षेत्र के चारों वार्डों में विधायक सविता कपूर ने सोमवार को विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधायक ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए हरी झंडी दिखाकर संबंधित वार्डों के लिए रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि मतदाता सूची को अधिक सशक्त, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा सूची को अद्यतन रखना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। इस अवसर पर सभी बीएलओ एवं संबंधित अधिकारियों से अपील की गई कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

मांगों को लेकर आयुर्वेदिक चिकित्सकों का विरोध तेज

उत्तरकाशी। राजकीय आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ के आह्वान पर जनपद के विभिन्न आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में तैनात चिकित्सकों ने आधार आधारित बायोमीट्रिक एवं मोबाइल ऐप आधारित उपस्थिति व्यवस्था का विरोध जताया। चिकित्सकों ने इसे अव्यावहारिक बताते हुए सात सूत्रीय मांगों के समर्थन में बांह पर काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया और ओपीडी सेवाओं का संचालन किया।

संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र चंद ने बताया कि संगठन चिकित्सा संवर्ग के लिए विभागीय निदेशक की नियुक्ति, विभागीय ढांचे के पुनर्गठन, पदोन्नति के अवसरों में वृद्धि समेत सात सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलनरत है। उन्होंने कहा कि सेवा संबंधी समस्याओं के समाधान के प्रति शासन और निदेशालय स्तर पर अपनाए जा रहे उपेक्षापूर्ण रवैये से चिकित्सकों में रोष है।

पूर्व सैनिकों को आपदा प्रबंधन तंत्र से जोड़ा जाएगा

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के नव नियुक्त उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल रघुवीर सिंह भण्डारी (सेवानिवृत्त) ने सोमवार को अपना कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर सचिव, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत माननीय उपाध्यक्ष ने कहा कि उत्तराखण्ड आपदाओं की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील राज्य है तथा आपदा प्रबंधन को और अधिक सशक्त एवं जन-केंद्रित बनाने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों एवं अनुभवों का समुचित उपयोग किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता राज्य के अधिकाधिक पूर्व सैनिकों, अर्द्धसैनिक बलों के सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं जवानों को आपदा प्रबंधन तंत्र से जोड़ने की होगी। उत्तराखण्ड के लगभग प्रत्येक गांव में पूर्व सैनिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति है, जिनका अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, प्रशिक्षण एवं मैदानी अनुभव आपदा जोखिम न्यूनीकरण, खोज एवं बचाव कार्यों तथा सामुदायिक आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक आपदा प्रबंधन की तैयारियों को और अधिक प्रभावी बनाने, समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन को बढ़ावा देने तथा आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। साथ ही युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं पूर्व सैनिकों के समन्वय से एक सक्षम और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का नेटवर्क विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर सचिव, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने विश्वास व्यक्त किया कि लेफ्टिनेंट कर्नल भण्डारी के व्यापक प्रशासनिक, सैन्य एवं संगठनात्मक अनुभव का लाभ राज्य की आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मिलेगा तथा उनके मार्गदर्शन में आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहल और अधिक प्रभावी रूप से आगे बढ़ेंगी।

उल्लेखनीय है कि लेफ्टिनेंट कर्नल रघुवीर सिंह भण्डारी (सेनि.) ने भारतीय सेना में लगभग 38 वर्षों तक विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। उन्होंने सेना के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों एवं इकाइयों में सेवाएं प्रदान की हैं, जिनमें थल सेना प्रशिक्षण स्कूल, लद्दाख स्काउट रेजीमेंटल सेंटर लेह, गढ़वाल राइफल्स रेजीमेंटल सेंटर लैंसडाउन, मराठा रेजीमेंट तथा नेशनल डिफेंस अकादमी खड़कवासला प्रमुख हैं। उन्होंने ऑपरेशन पवन (श्रीलंका), ऑपरेशन मेघदूत (सियाचिन ग्लेशियर) तथा ऑपरेशन विजय (कारगिल) में सक्रिय भूमिका निभाई है।

अंकिता भंडारी मामले में सीबीआई को 7 दिन का अल्टीमेटम

देहरादून। अंकिता न्याय यात्रा संयुक्त संघर्ष मंच ने रविवार को दून स्थित सीबीआई कार्यालय का घेराव कर अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच में पारदर्शिता की मांग उठाई।

मंच ने सीबीआई को सात दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि यदि सात दिन में जांच की प्रगति को लेकर संतोषजनक जानकारी नहीं दी गई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा तथा सीबीआई कार्यालय की तालाबंदी अभियान शुरू किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिछले छह माह से चल रही जांच की वर्तमान स्थिति सार्वजनिक की जानी चाहिए और मामले से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर दिए जाने चाहिए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान प्रारंभ में सीबीआई कार्यालय का मुख्य द्वार बंद कर दिया गया, जिसके चलते प्रदर्शनकारियों और अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। बाद में चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को कार्यालय के भीतर बुलाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने सीबीआई के डीएसपी अजय मिश्रा और डीएसपी सुभाष चंद्र को ज्ञापन सौंपकर जांच में हो रही देरी पर चिंता जताई। मंच की कमला पंत, निर्मला बिष्ट, सुजाता पॉल और उमा भट्ट ने कहा कि यह मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं बल्कि न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास से जुड़ा विषय है।

टैंडर निरस्त होने से सिंचाई विभाग के खिलाफ फूटा गुस्सा

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय के थत्यूड़ बाजार से सटी अगलाड़ और बेलगरा नदी के किनारों पर बाढ़ नियंत्रण सुरक्षा कार्य शुरु नहीं होने से व्यापारियों और काश्तकारों में सिंचाई विभाग के खिलाफ आक्रोश है। उन्होंने शासन-प्रशासन से शीघ्र बाढ़ सुरक्षा कार्य को शुरू कराए जाने की गुहार लगाई है।वर्ष 2013 में जौनपुर क्षेत्र में अतिवृष्टि होने से अगलाड़ और बेलगरा नदी में भारी बाढ़ आ गई थी जिसमें थत्यूड़ बाजार की पांच दुकानों के साथ नदियों के तटों से लगी कई नाली कृषि भूमि बह गई थी। स्थानीय लोग तब अगलाड़ नदी के तट बाढ़ सुरक्षा के कार्य की मांग कर रहे हैं। थत्यूड़ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अकबीर पंवार, विक्रम चौहान, राकेश सजवाण, कुलवीर रावत, दीपक सजवाण, जगत सिंह, निहाल सिंह रावत, बिजेंद्र दत्त गौड़, रमेश लेखवार, जयेंद्र बिजल्वाण आदि ने बताया कि गत जनवरी माह में अगलाड़ नदी के किनारों पर बाढ़ नियंत्रण कार्य के लिए शासन से 3.75 करोड की धनराशि स्वीकृत हुई थी।बाढ़ नियंत्रण कार्य के लिए निविदाएं भी जारी हो चुकी थी, लेकिन कुछ माह बाद बाद निविदाओं को निरस्त कर दिया गया। बाढ़ सुरक्षा कार्य के निविदाएं निरस्त किए जाने से लोगों में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग नरेंद्रनगर की ओर से बाहरी ठेकेदारों को बाढ़ नियंत्रण का कार्य दिया था जबकि स्थानीय ठेकेदार खाली बैठे हैं।

क्षेत्रीय विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों लंबे संघर्ष के बाद बाढ़ सुरक्षा के लिए धनराशि जारी हुई लेकिन उसे फिर से विभाग की लापरवाही के कारण ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

रिटायर्ड संयुक्त निदेशक की फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी बनाकर बेची जमीन

देहरादून। भारत सरकार में जनगणना संचालन के संयुक्त निदेशक पद से रिटायर अफसर की फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी बनाकर जालसाजों ने उनकी कीमती जमीन का एक हिस्सा बेच दिया। जमीन राजपुर रोड पर है। शिकायत पर राजपुर थाना पुलिस ने रविवार को जालसाजों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राजपुर थानाध्यक्ष पीडी भट्ट ने बताया कि राजपुर रोड निवासी बलवंत सिंह (सेवानिवृत्त संयुक्त जनगणना निदेशक, भारत सरकार) ने तहरीर दी। बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके नाम और फर्जी हस्ताक्षरों का इस्तेमाल करते हुए एक जाली पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार कर ली। इसके आधार पर उनकी ढाक पट्टी जमीन का एक हिस्सा फर्जीवाड़े कर बेच दिया। आटर्नी के आधार पर उसकी रजिस्ट्री भी करा दी। जब पीड़ति बलवंत सिंह को अपनी जमीन पर हुए इस फर्जीवाड़े की भनक लगी तो उन्होंने तुरंत फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी और बैनामों की कॉपियां हासिल की।

एसएसजे विश्वविद्यालय की शैक्षिक परिषद की बैठक में महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय की शैक्षिक परिषद की तृतीय बैठक कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तैयार किए गए विभिन्न शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में सदस्य सचिव एवं कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट ने कार्यवाही का संचालन किया। परिषद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पुनरीक्षित क्रेडिट संरचना के आधार पर तैयार स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया। परिषद ने विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति के कार्यवृत्त, विभिन्न विषयों में शोधार्थियों के शोध विषयों, प्रदान की गई पीएचडी उपाधियों तथा शोध एवं प्रसार निदेशालय द्वारा प्रस्तुत शोध अध्यादेश को भी मंजूरी दी। शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ किए गए एमओयू का भी अनुमोदन किया गया। बैठक में दीनदयाल उपाध्याय व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास योजना के अंतर्गत बी.वॉक होटल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम शुरू करने, विश्वविद्यालय के अभिलेखों में 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' शब्द का प्रयोग करने, विश्वविद्यालय के कुलगीत, शैक्षणिक कैलेंडर तथा नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी कैंपस की स्थापना से जुड़े प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

मानसून से पहले बागेश्वर प्रशासन अलर्ट, आपदा तैयारियों की कसी कमान

बागेश्वर। आगामी मानसून सीजन को देखते हुए जनपद प्रशासन ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा मानसून पूर्व की गई तैयारियों का विस्तृत आकलन किया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मानसून अवधि के दौरान सभी विभाग पूर्ण सतर्कता, आपसी समन्वय और त्वरित कार्रवाई की भावना के साथ कार्य करें, ताकि किसी भी संभावित आपदा की स्थिति में जनहानि और संपत्ति के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।बैठक में जिलाधिकारी ने संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जरूरी उपकरणों की उपलब्धता, संचार तंत्र की मजबूती, पेयजल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं तथा सड़क संपर्क को निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए। सड़क निर्माणदायी संस्थाओं को भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में जेसीबी मशीनें और अन्य संसाधन तैनात रखने तथा मशीन ऑपरेटरों की अद्यतन संपर्क सूची जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने को कहा गया, जिससे आपदा की स्थिति में तत्काल कार्रवाई संभव हो सके। जिलाधिकारी ने नगर निकायों एवं संबंधित विभागों को जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए नालियों और कलमटों की समयबद्ध सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विधायक उमेश कुमार से विंटेज कार बेचने के झांसे में 4.50 लाख रुपये ठगे

देहरादून। खानपुर विधायक उमेश कुमार को पुरानी विंटेज (मोरिस) कार बेचने का झांसा देकर साढ़े चार लाख रुपये की ठगी कर ली गई। विधायक के देहरादून स्थित कार्यालय के प्रबंधक की तहरीर पर रविवार को राजपुर थाना पुलिस ने रांची, झारखंड के डीलर के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। विधायक उमेश कुमार के आईटी पार्क स्थित कार्यालय के प्रबंधक असद खान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अगस्त 2025 में विधायक के व्हाट्सएप नंबर पर एक पुरानी मोरिस कार बेचने का मैसेज आया था। यह मैसेज रांची के ख्वाजा मोटर्स के संचालक ख्वाजा हुसैन ने भेजा था। आरोपी ने व्हाट्सएप पर ही कार की फोटो और वीडियो दिखाई। बातचीत के बाद कार का सौदा 4.50 लाख रुपये में तय हुआ और डिलीवरी देहरादून में देनी तय की गई। विश्वास में आकर विधायक ने आरोपी ख्वाजा हुसैन के फेडरल बैंक खाते में कई किश्तों में पूरी रकम का भुगतान कर दिया गया। 11 व 22 अगस्त 2025 को 50-50 हजार, 27 अक्टूबर को दो लाख और 7 नवंबर को 1.5 लाख रुपये ट्रांसफर किए गए। प्रबंधक के अनुसार पूरी रकम चुकाने के बाद जब ख्वाजा हुसैन से कार को देहरादून भेजने के लिए कहा गया तो उसकी नीयत बदल गई।

आर्थिक विकास एवं रोजगार सृजन से संबंधित विषयों पर की चर्चा

देहरादून। सोमवार को सचिवालय में सेतु आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शत्रुघ्न सिंह की अध्यक्षता में विभिन्न विभागीय अधिकारियों एवं संस्थाओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य के पर्यटन, कृषि, उद्यान, स्वास्थ्य, तकनीकी विकास आदि क्षेत्रों में दीर्घकालिक विकास एवं रोजगार सृजन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेतु आयोग द्वारा विभिन्न जनपदों में ग्रामीण स्तर पर सार्वजनिक सेवाओं और डिजिटल सुविधाओं के विस्तार के लिए 'एकीकृत स्मार्ट विलेज केन्द्रों' की शुरूआत की गई है। इन केन्द्रों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में विकास की संभावनाओं का आकलन कर दूरगामी योजनाएं तैयार करना है।

किसानों, महिलाओं, युवाओं आदि को बेहत्तर सरकारी सेवाएं उपलब्ध हो सके, इसके लिए विभागीय कन्वर्जन मॉडल के तहत स्थानीय समुदायों के मध्य विश्वसनीयता कायम करते हुए स्थानीय जनसमुदाय की सहभागिता पर जोर देने की बात कही गई। मुख्य कार्यकारी अधिकारी शत्रुघ्न ने कहा कि सेतु आयोग राज्य की भौगोलिक और पर्यावरणीय चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित एवं समावेशी विकास के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंच सके, इसके लिए संयुक्त रूप से प्रयास करने होंगे। ग्रामोत्थान के लिए विभिन्न विभागों को गंभीरता से विभागीय योजनाओं को कन्वर्जन में लेकर कार्य करना होगा। इसके लिए ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं संस्थाओं की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य के संतुलित, समावेशी एवं सतत विकास को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विभागों को समन्वय बढ़ाकर विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा, ताकि ग्राम स्तर की समस्याओं का समाधान वहीं पर हो सके। उन्होंने पंचायत स्तर पर चिन्हित सेंटर के प्रतिनिधियों को स्थानीय लोगों से संवाद कर एक साल की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। साथ ही सरकारी विभागों द्वारा संचालित योजनाएं बेहत्तर ढंग से कैसे उपलब्ध हो सके, इसको भी कार्ययोजना में समाहित कर जून के अन्तिम सप्ताह तक उपलब्ध कराने को कहा गया।

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड दुगड्डा के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज बल्ली में उत्तराखंड फाउंडेशन नार्थ अमेरिका एवं किताब क्लब के सहयोग से दस दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस दौरान बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रधानाचार्य युगजीत चंद्र सेमवाल ने किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि कार्यशाला में कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत बच्चों को कहानी लेखन, रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा अन्य साहित्यिक एवं शैक्षिक विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर सुभाष डबराल ने कहा कि कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को कहानी लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं भाषा ज्ञान से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों की प्रतिभा निखारने और उनके बेहतर भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला के प्रथम दिन आयोजित एक्टिविटी सत्र में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में प्रसन्न नेगी, नंदीश और अंशिका शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सचिव नामित करने की घोषणा का किया स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राज्य सरकार द्वारा सहायक विकास अधिकारी (एडीओ) पंचायत को क्षेत्र पंचायत का सचिव नामित करने की घोषणा का ग्राम प्रधान संगठन दुगड्डा ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। संगठन ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कहा कि यह निर्णय उत्तराखंड की पंचायती राज व्यवस्था को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

प्रधान संगठन के अध्यक्ष सरदार सिंह नेगी ने कहा कि एडीओ पंचायत की पूरी सेवा पंचायती राज अधिनियम, नियमावली, ई-ग्राम स्वराज, जीपीडीपी और वित्तीय प्रबंधन से जुड़ी होती है। ऐसे में उन्हें क्षेत्र पंचायत सचिव का दायित्व दिए जाने से क्षेत्र पंचायत की कार्यप्रणाली अधिक तकनीकी रूप से सक्षम और नियमानुसार संचालित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) पर मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, आपदा प्रबंधन, निर्वाचन समेत कई विभागों की अतिरिक्त जिम्मेदारियां हैं। इससे क्षेत्र पंचायत के कार्य प्रभावित होते हैं। एडीओ पंचायत को पूर्णकालिक सचिव बनाए जाने से बैठकों के आयोजन, बजट निर्माण और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

भीरी–मक्कू बैंड सड़क पर जगह–जगह गड्ढे

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र के भीरी–परकंडी–मक्कू बैंड मार्ग की बदहाल हालत पर लोगों में नाराजगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की मरम्मत नहीं होने के कारण जगह–जगह गड्ढे बन गए हैं और आवागमन जोखिम भरा हो गया है। लोगों ने शीघ्र सड़क के सुधारीकरण और डामरीकरण की मांग की। ग्राम ककोला निवासी प्रियंका बिष्ट ने कहा कि सड़क की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। जगह–जगह गड्ढे और उखड़ी हुई सड़क के कारण वाहन चालकों और ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।

महिला आयोग की उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत ने कहा कि यह मार्ग तृतीय केदार तुंगनाथ और पर्यटन स्थल चोपता को जोड़ता है। यात्रा और पर्यटन सीजन में इस मार्ग से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक गुजरते हैं लेकिन सड़क की बदहाल स्थिति उनकी परेशानी बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी को पत्र भेजकर मार्ग के शीघ्र सुधारीकरण और डामरीकरण की मांग की है।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग। पेट्रोल–डीजल की बढ़ती कीमतों, महंगाई और बेरोजगारी के विरोध में नगर कांग्रेस कमेटी तिलवाड़ा ने केंद्र सरकार का पुतला फूंका। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध जताया।जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप सिंह कंडारी ने कहा कि महंगाई के मुद्दे पर बड़े–बड़े वादे करने वाली भाजपा सरकार आज पेट्रोल–डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई से किसान, मजदूर, व्यापारी और आम जनता प्रभावित हो रही है। इससे पूर्व नगर कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक बैठक भी हुई। बैठक में बूथ अध्यक्षों, बीएलए–2 और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, नई समितियों के गठन और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई। इस दौरान शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त जयपाल कंडारी ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

पेपर लीक मामले पर उक्रांद का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

कोटद्वार तहसील में उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपते उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ता।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल ने नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाओं पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। इसके लिए उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जिम्मेदार ठहराया है। दल ने शिक्षा मंत्री को मंत्रीमंडल से तत्काल निलंबित करने की मांग की है।

सोमवार को उक्रांद कार्यकर्ताओं ने कोटद्वार तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्यकाल में नीट समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं लगातार सामने आई हैं, जिससे करोड़ों युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उक्रांद नेताओं ने आरोप लगाया कि पेपर लीक की घटनाओं से निराश होकर कई युवा आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हुए हैं, जो बेहद चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के लिए केंद्र सरकार का शिक्षा मंत्रालय पूरी तरह जिम्मेदार है और नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद से हटाया जाना चाहिए। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक उक्रांद का आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान शांति प्रसाद भट्ट, नरेश धस्मान, महेंद्र सिंह रावत, प्रकाश रावत, रोहित डंडरियाल, विजयपाल सिंह, हयात सिंह गुसाईं, भारत मोहन काला, संजू कश्यप और पंकज भट्ट सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में चचेरा भाई गिरफ्तार

कोटद्वार पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रिखणीखाल क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में पुलिस ने उसके चचेरे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, बीती 2 जून को पीड़िता के पिता ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि उनकी नाबालिग पुत्री के साथ उसके चचेरे भाई संजय उर्फ सोनू ने दुष्कर्म किया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पीड़िता के बयान दर्ज किए गए तथा अन्य साक्ष्यों का संकलन किया गया। पुलिस का कहना है कि जांच में आरोपी की संलिप्तता सामने आने के बाद उसे कोटद्वार क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कानून के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

30 पूर्व सैनिकों और वीर नारियां सम्मानित

चमोली। थराली के चेपड़ों में आयोजित तीन दिवसीय शौर्य महोत्सव के तीसरे दिन ममंद और स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मेले में ग्राफिक ऐरा संस्थान की ओर से 30 पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान संदेश आते हैं मुझे तड़पाते हैं.... गीत ने लोगों में देशभक्ति जगाई। मेले में ग्रामीणों ने सेना की ओर से आयोजित स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया। राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित तीन दिवसीय शौर्य महोत्सव के अंतिम दिन का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष गणेश शाह ने किया। पालिका अध्यक्ष गणेश शाह ने कहा कि सेना की ओर से जिस तरह हमारी रक्षा की जाती है। उसका आकलन करना भी नामुमकिन है। मेले के तीसरे दिन इंडियन आइडल फेम विकास भारद्वाज की ओर से संदेश आते हैं, मुझे तड़पाते हैं..., फांव बागा रे... आदि गीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेले में ममंद चेपड़ों, त्रिकोट, कांडे, उणी, जुणीधार, राइंका थराली, तलवाड़ी और देवाल के छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मेले के अंतिम दिन देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय की ओर से शौर्य महोत्सव के पदाधिकारियों और सदस्यों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मेले में लगे स्वास्थ्य शिविर में 500 और ग्राफिक ऐरा की ओर से आयोजित नेत्र शिविर में 250 से अधिक ने जांच कराई। इस मौके पर शौर्य महोत्सव के अध्यक्ष वीरू जोशी, उपाध्यक्ष चंदन जोशी, ममंद अध्यक्ष संगीता शाह, ग्राम प्रधान रमा देवी, पूर्व जिपंस देवी जोशी, सचिव देवेंद्र सिंह रावत, जयबीर कंडारी आदि मौजूद रहे।

आत्मा शांति की लिए की प्रार्थना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आर्यसमाज ध्रुवपुर की ओर से शांति यज्ञ कर पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूडी की आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की गई। आर्य समाज के प्रधान सुखदेव शस्त्री ने कहा कि देश में केंद्रीय मंत्री व प्रदेश में मुख्यमंत्री रहते हुए भुवन चंद्र खंडूडी ने अभूतपूर्व विकास कार्य किए। कहा कि उनके निधन से समाज को बहुत बड़ी क्षति हुई है। कहा कि भुवन चंद्र खंडूडी महान व्यक्तित्व के धनी राजनेता रहे है। जिनको देश व प्रदेश में हमेशा याद किया जाता रहेगा। इस मौके पर राम प्रसाद कौशिक, परमानंद, उज्ज्वल सेमवाल, जितेंद्र कुमार, रविंद्र कुमार, जयदेव, शेखरानंद, सदानंद मौजूद रहे।

राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिता संपन्न, बागेश्वर और हल्द्वानी बनें चैंपियन

आयोजित प्रतियोगिता की विजेता टीम को सम्मानित करते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्वर्गीय दीपक मोहन बडोला की स्मृति में आयोजित राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का समापन हो गया। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में बागेश्वर और बालिका वर्ग में हल्द्वानी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप अपने नाम की। राजकीय इंटर कॉलेज दुगड्डा के मैदान में आयोजित प्रतियोगिता के अंतिम दिन मुकाबलों का शुभारंभ राजगौरव नौटियाल, आशीष नेगी और संदीप जोशी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में बागेश्वर ने हल्द्वानी को पराजित कर खिताब अपने नाम किया, जबकि हल्द्वानी की टीम उपविजेता रही। तीसरे स्थान पर ऋषिकेश की टीम रही। बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले में हल्द्वानी की टीम ने नैनीताल को हराकर चैंपियनशिप जीती। नैनीताल की टीम उपविजेता रही, जबकि मेजबान दुगड्डा की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। समापन अवसर पर विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खेल आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रदीप बडोला ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए खिलाड़ियों और समिति सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों ने खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में शांति बिष्ट, राजीव कपूर सहित आयोजन समिति के सदस्य और खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री घोषणाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरा करें अधिकारी : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार में मुख्यमंत्री घोषणाओं एवं 25 सूत्रीय कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई ।बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को जनहित से जुड़े कार्यों में बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने, निर्माणाधीन एवं गतिमान परियोजनाओं में तेजी लाने तथा शासन स्तर पर लंबित प्रकरणों का नियमित अनुश्रवण एवं फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने को कहा। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर कोई भी मुख्यमंत्री घोषणा अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहनी चाहिए। जिन घोषणाओं में शासन स्तर पर कार्रवाई अपेक्षित है, उनसे संबंधित सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर प्रस्ताव शीघ्र शासन को प्रेषित किए जाएं। साथ ही निर्माणाधीन एवं क्रियान्वयनाधीन घोषणाओं का विभागीय अधिकारी नियमित निरीक्षण कर निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। वहीं 25 सूत्रीय कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को विभागीय आंकड़ों की शुद्धता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी ने जानकारी दी कि जनपद में 04 जुलाई 2021 से वर्तमान तक मुख्यमंत्री द्वारा कुल 166 घोषणाएं की गई हैं। इनमें से 101 घोषणाओं का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष घोषणाओं पर विभिन्न स्तरों पर आवश्यक कार्यवाही एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया जारी है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडे, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता, जिला विकास अधिकारी के.के. पंत, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी विनय जोशी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्द किशोर जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रामलीला 19 जून से

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र की जानकी महिला शक्ति की तरफ से 19 जून से ध्रुवपुर में एक बारात घर में रामलीला का मंचन किया जाएगा। रामलीला मंचन समिति की अध्यक्ष माया रावत ने बताया कि रामलीला मंचन शाम को 4 बजे से लेकर 8 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कहा कि महिला कलाकार ही रामलीला का मंचन करेंगें। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से रामलीला मंचन कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया।

गंगा में लापता हुए मां–बेटी के शव बरामद

श्रीनगर गढ़वाल : देवप्रयाग के समीप बीते दो जून को इनोवा कार हादसे के बाद गंगा नदी के तेज बहाव में लापता हुई मां–बेटी के शव रेस्क्यू टीम ने बरामद कर लिए हैं।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/ मुख्यालय/ मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	82-DRM-MB-26-27 dt. 08.06.2026		
Name of work	Replacement of bed block at Br. 126(5X60 ft) with centralized bearing in the section of BE-HGJ and strengthening of Bridge No.67, 78, 23, 47 of ORN 3 under ADEN/CH		
Tender Closing Date	30.06.2026	Advertised Value	₹ 2,73,17,670.64
Earnest Money	₹ 5,46,400.00	Tender Cost	₹ 00
Bidding Start Date	16.06.2026	Period of Completion	6 Months

पत्रांक: 75-W/2/3/WA/ Publication दिनांक: 08.06.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1963/2026

छावनी परिषद्, लैन्सडौन

द्वितीय निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छावनी परिषद् द्वारा गॉधी चौक पार्किंग स्थल, निकट धर्मशाला पार्किंग स्थल, टिप-इन-टॉप पार्किंग स्थल एवं छावनी क्षेत्र के अन्य स्थल, पार्किंग शुल्क की वसूली हेतु ऑनलाईन निविदा देय दिथि से 01 वर्ष हेतु आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्न प्रकार से है :-

कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की अन्तिम तिथि	15 जून 2026 (दोपहर 12:00 बजे तक)
कोटेशन खोलने की तिथि	16 जून 2026 (दोपहर 12:30 बजे तक)
अग्रिम धनराशि (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)	रू0 25,000/-
टेण्डर फार्म शुल्क (केवल echhawani.gov.in के माध्यम से)	रू0 1770/-

1. कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेवसाईट पर ऑन लाईन भरे जाएगे।
2. संबन्धित अन्य शर्ते कार्यालय में आकर या www.defproc.gov.in पर देखी जा सकती है।

पत्रांक 724/पार्किंग/छा0प0

कार्यालय छावनी परिषद् लैन्सडौन — मुख्य अधिशासी अधिकारी, छावनी परिषद् लैन्सडौन

दिनॉक जून 2026

उक्रांद के सदस्यता अभियान में सैकड़ों लोग शामिल, संगठन मजबूती का लिया संकल्प

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल महानगर कोटद्वार की ओर से भाबर क्षेत्र में सदस्यता अभियान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने उक्रांद की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उक्रांद के केंद्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुकरेती और केंद्रीय संरक्षक डॉ. शक्तिशैल कपरवाण ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सुरेंद्र कुकरेती ने कहा कि कण्वाश्रम केवल कोटद्वार ही नहीं बल्कि पूरे उत्तराखंड की गौरवस्थली है, जहां चक्रवर्ती सम्राट भरत का जन्म हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य गठन के 25 वर्ष बाद भी राष्ट्रीय दलों की सरकारों ने कण्वाश्रम के विकास की उपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि उक्रांद की सरकार बनने पर कण्वाश्रम का विकास प्राथमिकता में होगा। डॉ. शक्तिशैल कपरवाण ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्र वन कानूनों और जंगली जानवरों की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कठोर वन कानूनों के कारण सड़क समेत कई विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने लंबे समय से लंबित चिल्लरखाल-लालढांग मोटर मार्ग के निर्माण का मुद्दा भी उठाया और कहा कि उक्रांद पर्यावरण संरक्षण और मानव विकास के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में कार्य करेगी। केंद्रीय महामंत्री कर्नल (सेनि.) कैलाश देवरानी तथा पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महीपाल सिंह पुंडीर ने सैनिकों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व सैनिक राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। केंद्रीय उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश भारद्वाज ने सरकार से ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्र सिंह रावत ने की। इस दौरान सीमा बिष्ट ने चिल्लरखाल-लालढांग मोटर मार्ग का निर्माण शीघ्र शुरू करने की मांग उठाई। कार्यक्रम में पितृशरण जोशी, प्रमोद काला, देवेंद्र सिंह रावत, भारत मोहन काला, रवींद्र सौंद, दीपा अधिकारी, उमेद सिंह भंडारी, रोहित डंडरियाल, पंकज डबराल, पंकज उनियाल, अर्चना भट्ट और नरेश धस्माना सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किशोरी लापता

श्रीनगर गढ़वाल : नगर क्षेत्र से एक किशोरी (15) के लापता होने का मामला सामने आया है। किशोरी सोमवार तड़के घर से बिना बताए कहीं चली गई। परिवार के लोग उसकी तलाश में जुटे। उसका कहीं पता नहीं चला तो पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो पता चला कि किशोरी सुबह करीब चार बजे घर से निकलती हुई दिखाई दी। इसके बाद उसके संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी।

उत्तर रेलवे

(मुरादाबाद मण्डल) निविदा सूचना

क्र सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहॉ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्यूरिटी राशि (रु.)	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवम कार्यालय का पता
1	19/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा/मुरा./2026:– मुरादाबाद डिवीजन के अंतर्गत क्वाटरों, विश्राम गृहों, प्रतीक्षा कक्षों और अन्य स्थानों में विद्युत संपत्तियों के उन्नयन के लिए विद्युत कार्य (चरण–I)	9441249.50 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	188800.00	6 (छः) माह	निविदाये दिनांक 29.06.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय/ मुरादाबाद

निविदा सूचना सं. : 21/2026 दिनांक : 06.06.2026 1951/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियंता/II/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	73-DRM-MB-26-27 Date 08.06.2026	74-DRM-MB-26-27 Date 08.06.2026	78-DRM-MB-26-27 Date 08.06.2026	79-DRM-MB-26-27 Date 08.06.2026	80-DRM-MB-26-27 Date 08.06.2026
कार्य का नाम	Construction of Yard Drain in connection with Improvement of MINJ, SPC, HMP, NM, MKHI, SFPR, BGMU, MLW, MAH, BEJ, MSTH, RAK, BLM, BRTA, JBG, JKH station yard under jurisdiction of ADEN-II/HRI.	Construction of yard drain in connection with Improvement of HRI, BGH, DLQ, KAR, MST, KUF, RBD, BLM, SAN, UTA, MLD, KKJ AND DIL station yard under jurisdiction of ADEN- I/HRI.	Provision of 100 KL capacity RCC OH tank with deep tubewell including distribution pipe line at MINJ and 01 deep tube well with Pump House at Sitapur City and Provision of 225 KL capacity RCC OH Tank with deep tube well including replacement of corroded/ leaky pipe line at BLM under ADEN-II-HRI	Divyangjan facilities at various stations under ADEN-I/HRI & ADEN-II/HRI	Hiring of 03 Multi utility vehicle & 1 Truck for SSE/ P.Way and SSE/ Works for two years under ADEN/I/HRI.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	03.07.2026 16:00	03.07.2026 16:00	03.07.2026 16:00	03.07.2026 16:00	03.07.2026 16:00
अनुमानित लागत	6,74,97,540.82	9,98,33,883.39	1,66,97,161.89	1,86,36,387.88	79,25,727.80
धरोहर राशि	13,50,000.00	19,96,700.00	3,34,000.00	3,72,700.00	1,58,500.00
टेन्डर कॉस्ट	0.00	0.00	0.00	0.00	5000.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	19.06.2026	19.06.2026	19.06.2026	19.06.2026	19.06.2026
आफर की वैधता	60 दिन	60 दिन	60 दिन	60 दिन	90 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह	12 माह	09 माह	06 माह	24 माह

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक 08.06.2026 1961/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

मानसून में यात्रा की चुनौती

जून का महीना भले ही आसमान से आग बरसा रहा हो लेकिन अब इस तपिश पर बरसात की फुहार पड़ने वाली है। मानसून ने केरल के रास्ते भारत में दस्तक दे दी है और जल्दी उत्तर भारत के क्षेत्र में भी बरसात की फुहार से लोगों को राहत मिलने के आसार हैं। हालांकि मानसून के आने से पूर्व भी कई राज्यों में भारी बारिश के कारण तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिला है लेकिन अब आगे की चुनौती मानसून के दौरान आने वाली परेशानियों को लेकर है जिसे लेकर विभिन्न राज्यों में तैयारी यह नजर आने लगी है। खास तौर से उत्तराखंड में सरकार अभी से अलर्ट है क्योंकि मानसून के दौरान ही चार धाम यात्रा का आयोजन भी जारी रहेगा। मानसून के दौरान पहाड़ी मार्गों पर यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है तो वही भूस्खलन के कारण अक्सर कई कई दिन तक रास्ते बंद हो जाते हैं। पर्वतीय भौगोलिक की स्थिति के कारण राज्य सरकार यहां अन्य राज्यों की अपेक्षा अन्य तरीके से अपनी तैयारी का खाका तैयार करती है। मानसून अपने साथ कई चुनौतियां भी साथ लाता है। विशेष रूप से उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों और मैदानी क्षेत्रों में मानसून से पहले आवश्यक तैयारियां करना बेहद जरूरी है। यदि समय रहते उचित कदम उठाए जाएं तो जन–धन की हानि को काफी हद तक कम किया जा सकता है। पहाड़ी इलाकों में मानसून के दौरान भूस्खलन, बादल फटना, सड़क अवरुद्ध होना और नदियों–गदेरों का उफान बड़ी समस्याएं बन जाती हैं। इसके लिए मानसून से पहले संवेदनशील क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित स्थानों पर सुरक्षात्मक कार्य किए जाने चाहिए। पहाड़ों पर जल निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए ताकि वर्षा का पानी सड़कों और बस्तियों को नुकसान न पहुंचा सके। सड़कों के किनारे जल निकासी के रास्ते साफ होने चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आपदा प्रबंधन और सुरक्षित स्थानों की जानकारी देना भी आवश्यक है। वहीं मैदानी क्षेत्रों में मानसून के दौरान जलभराव, बाढ़ और संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ जाता है। नगर निकायों को नालियों और सीवर लाइनों की सफाई पहले ही सुनिश्चित करनी चाहिए। नदियों और बरसाती नालों पर अतिक्रमण हटाने के साथ–साथ जल निकासी मार्गों को खुला रखना आवश्यक है। मानसून से पहले बिजली व्यवस्था सही होनी चाहिए राकी आपात स्थिति में परेशानी न हो। मानसून से जुड़ी चुनौतियों का सामना केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। नागरिकों को भी अपने घरों की छतों, नालियों और आसपास की सफाई पर ध्यान देना चाहिए। जल स्रोतों को प्रदूषित होने से बचाना, अनावश्यक रूप से नालियों में कचरा न फेंकना तथा प्रशासन द्वारा जारी चेतावनियों का पालन करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। समय पर की गई तैयारी ही मानसून को संकट के बजाय समृद्धि का माध्यम बना सकती है, लेकिन इसमें सबको अपनी भागीदारी निभानी होगी।

सूक्ति

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।
– रविन्द्रनाथ टैगोर
पुरुष की सिगरेट से लेकर टायर तक में वह दख़ल देती है।
– हरिशंकर परसाई

कांग्रेस पार्टी में कुर्सी की जिद, बगावती बुढ़ापा और बिखरी साख

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति का एक सीधा सा नियम है। एक समझदार नेता वह नहीं है जिसे सिर्फ आगे बढ़ना आता हो, बल्कि वह है जिसे यह पता हो कि कब और कितनी इज्जत के साथ दो कदम पीछे हट जाना है। आज की आपाधापी और कुर्सी से चिपके रहने की राजनीति के बीच, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जो समझदारी दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने देश के बाकी बुजुर्ग नेताओं को एक ऐसा सधा हुआ संदेश दिया है, जो न सिर्फ उनकी इज्जत को बढ़ाता है बल्कि दूसरों के लिए एक सबक भी है।राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि पार्टी अब शायद दिग्विजय सिंह को दोबारा राज्यसभा नहीं भेजेगी। अमूमन ऐसे मोड़ पर बड़े-बड़े नेता या तो बगावत पर उतर आते हैं या फिर कोने में बैठकर नाराजगी जताने लगते हैं। लेकिन दिग्गी राजा ने जिस अक्लमंदी से अपनी साख और सम्मान को बनाए रखा है, वह उनकी राजनीतिक परिपक्वता को दिखाता है। लोकतंत्र में कोई उनकी विचारधारा से अलग सोच रख सकता है, लेकिन उनकी राजनीतिक समझ और सही टाइमिंग के मामले में वे आज भी बेजोड़ हैं। वे जानते हैं कि जब हवा का रुख बदल रहा हो, तो खुद को कैसे संभाला जाता है। पद पर न रहकर भी संगठन में अपनी साख को कैसे बरकरार रखा जाता है, यह कला दिग्विजय सिंह ने बखूबी दिखाई है। इसके ठीक उलट, जब हम मध्य प्रदेश की राजनीति में उनके ही समकालीन नेता कमलनाथ को देखते हैं, तो स्थिति बिल्कुल विपरीत नजर आती है। पार्टी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह कमलनाथ पर भरोसा जताकर उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपी थी। लेकिन अपनी जिद और कुंठा के कारण कमलनाथ ने न सिर्फ सरकार गंवाई, बल्कि धीरे-धीरे प्रदेश में अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। हाल ही में एक राज्यसभा सीट के लिए दिल्ली से भोपाल तक की गई उनकी भागमभाग को सबने देखा। इतनी दौड़-धूप करने के बाद भी अंत में उन्हें खाली हाथ रहना पड़ा और सीट नहीं मिली, जिससे राजनीतिक गलियारों में उनकी जो किरकिरी हुई वह अलग। खुद को समय के अनुसार न ढालने की यह कुंठा किसी भी कद्दावर नेता के बने-बनाए इतिहास को धूमिल कर देती है।यही हाल राजस्थान के जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत का भी है। जब कोई नेता यह मान बैठता है कि पूरा प्रदेश उसकी मुट्ठी में है, तो वहीं से उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल शुरू होती है। जीवनभर सत्ता के शीर्ष पर रहने के बाद भी जब एक बड़ा नेता युवाओं का रास्ता रोकने लगता है, तो वह खुद अपनी इज्जत कम कर लेता है। राजस्थान में सचिन पायलट के प्रति उनकी नफरत और पदों के लिए कभी न खत्म होने वाली भूख ने उनके कद को बहुत छोटा कर दिया है। सवाल यह है कि जब आप खुद पूरी जिंदगी मलाईदार पदों पर रहे, तो आज युवाओं की महत्वाकांक्षा पर सवाल उठाने वाले आप कौन होते हैं? गहलोत के बदले हुए सुर और उनकी भाषा साफ इशारा कर रही है कि वे अब पार्टी से अलग रास्ता तलाश रहे हैं। अपनी राजनीति बचाने की ज़िद में वे अपनी ही इज्जत दांव पर लगा चुके हैं। अब होगा यह कि या तो वे खुद ही बाहर निकल जाएंगे, या फिर पार्टी उन्हें खुद किनारे लगा देगी।अशोक गहलोत और कमलनाथ का यह रुख कोई पहला उदाहरण नहीं है। कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि जो नेता समय रहते मार्गदर्शक की भूमिका में नहीं आए, उन्होंने अपनी ही जिद से अपना राजनीतिक बुढ़ापा खराब कर लिया। पंजाब के कैप्टन अमरिंदर सिंह और जम्मू-कश्मीर के कद्दावर नेता गुलाम नबी आजाद इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पूरी जिंदगी पंजाब की सियासत पर राज किया, लेकिन आखिरी वक्त में कुर्सी न छोड़ने की जिद ने उन्हें उस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया जहां आज उनकी कोई राजनीतिक पूछ नहीं है। यही हाल गुलाम नबी आजाद का हुआ, जिन्होंने अपनी नई पार्टी तो बना ली, लेकिन आज वे पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुके हैं। इन नेताओं ने जीवन भर जो मान-सम्मान कमाया था, वह उम्र के आखिरी पड़ाव में आकर सिर्फ पदों की भूख के कारण मिट्टी में मिल गया।सियासत का यह कड़वा सच है कि समय हमेशा

एक जैसा नहीं रहता। जो नेता वक्त की नब्ज को पहचानकर नई पीढ़ी के लिए जगह खाली नहीं करते, इतिहास उन्हें कभी सम्मान से याद नहीं रखता। दिग्विजय सिंह के इस कदम से बाकी वरिष्ठ नेताओं को यह सीखना चाहिए कि राजनीति सिर्फ पद की नहीं, बल्कि कद की होती है और कद कभी कुर्सियों से नहीं, बल्कि सही समय पर गरिमा के साथ पीछे हटने से बड़ा होता है।

अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवसः अतीत की धड़कन, भविष्य की दिशाः अभिलेखागार

सुनील कुमार महला

ऐतिहासिक दस्तावेजों और अभिलेखों के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 9 जून को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) द्वारा किया जाता है, जो विश्वभर में अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख संस्था है।इस दिवस का इतिहास भी अत्यंत रोचक है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के तत्वावधान में 9 जून 1948 को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) की स्थापना हुई थी। बाद में वर्ष 2007 में आईसीए की आम सभा में यह निर्णय लिया गया कि परिषद के स्थापना दिवस को ही प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस 9 जून 2008 को आयोजित किया गया। इस दिवस का मूल उद्देश्य इतिहास, संस्कृति और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने वाले अभिलेखागारों के महत्व को रेखांकित करना है। वास्तव में, अभिलेखागार केवल पुराने कागजों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि वे किसी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की सामूहिक स्मृति होते हैं। वे हमारी पहचान, अधिकारों और विरासत के संरक्षक हैं तथा अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं।
बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि दुनिया का सबसे प्राचीन अभिलेख मिट्टी की पट्टियों पर अंकित व्यापारिक लेन-देन का विवरण माना जाता है। समय के साथ अभिलेखों का स्वरूप बदलता गया और आज इनमें सरकारी दस्तावेज, नक्शे, तस्वीरें, फिल्में, ऑडियो रिकॉर्डिंग, ई-मेल तथा डिजिटल फाइलें भी शामिल हैं। अनेक अभिलेखागारों में ऐसे संवेदनशील और गोपनीय दस्तावेज भी सुरक्षित रखे जाते हैं जिन्हें 'डार्क आर्काइव्स' कहा जाता है। इन अभिलेखों को संरक्षित तो रखा जाता है, लेकिन उनकी सामग्री को आम जनता अथवा शोधकताओं के लिए कई दशकों तक उपलब्ध नहीं कराया जाता।अभिलेखों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि किसी देश के कानूनों, युद्धों, स्वतंत्रता आंदोलनों, सरकारी निर्णयों और सामाजिक परिवर्तनों से जुड़े मूल दस्तावेज इन्हीं में सुरक्षित रहते हैं। सरकारी अभिलेख प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नई दिल्ली स्थित भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार में मुगल काल, ब्रिटिश शासन और स्वतंत्र भारत से जुड़े लाखों मूल्यवान दस्तावेज संरक्षित हैं, जो शोधकताओं और इतिहासकारों के लिए अमूल्य धरोहर हैं।
हमें यह याद रखना चाहिए कि अभिलेख केवल इतिहास को संरक्षित नहीं करते, बल्कि संकट के समय लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करते हैं। युद्ध, बाढ़, भूकंप या आग जैसी आपदाओं के बाद नागरिकों की पहचान, संपत्ति और कानूनी अधिकारों को प्रमाणित करने में अभिलेख महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी जाने वाली अमूल्य विरासत माना जाता है।वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। सूचनाओं के तीव्र प्रवाह और तकनीकी परिवर्तनों के बीच प्रमाणिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखना पहले की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसी संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि अपने अतीत को सुरक्षित रखे बिना हम एक सशक्त और जागरूक भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते।

अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उलगुलान करने वाले धरती आवा बिरसा मुंडा

कुमार कृष्णन

बिरसा मुंडा अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

नौ जून बिरसा मुंडा का वलिदान दिवस है। उन्होंने अपना पूरा जीवन जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए समर्पित किया और अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान से आदिवासी सभ्यता की रक्षा कर, अपना अमूल्य योगदान दिया। वे भारत के एक महान आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था।
धरती आबा बिरसा मुंडा का उलगुलान भूमि से लेकर धर्म सम्बन्धी तमाम समस्याओं के खिलाफ जनसंघर्ष था तथा उन समस्याओं के खिलाफ राजनीतिक समाधान का प्रयास भी। वह आदिवासी और खासकर मुंडा समाज की आंतरिक बुराईयों और कमजोरियों को दूर करने का सामूहिक अभियान भी था। समाज की परंपरागत प्रकृति निर्भर तत्व ने आर्थिक समाजवाद की अवधारणा को बिरसा के अंदर जागृम किया। गांधी से पहले गांधी की अवधारणा के तत्व के उभार के पीछे भी बिरसा का समाज एवं पड़ोस के सूक्ष्म अवलोकन एवं उसे नयी अतर्दृष्टि देने का तत्व ही था। तभी तो उन्होंने गांधी के समान समस्याओं को देखा.-सुना, फिर चिंतन-मनन किया। उन्होंने मुंडा समाज को पुनर्गठित करने का जो प्रयास किया, वह अंग्रेजी हुकूमत के लिये विकराल चुनौती बनी। नये बिरसाइत धर्म की स्थापना की तथा लोगों कों नई सोच दी, जिसका आधार सात्विकता, आध्यात्मिकता, परस्पर सहयोग, एकता व बंधुता था। समस्या के कारणों को ढूढ़ 'गोरों वापस जाओह्न का नारा दिया एवं परंपरागत लोकतंत्र की स्थापना पर वल दिया, ताकि शोषणमुक्त ह्य आदिम साम्यवाद' की स्थापना हो सके। उन्होंने कहा -'महारानी राज जाएगा एवं अबुआ राज आएगा।
1857 के गदर शांत होने के बाद सरदार आंदोलन संगठित जनांदोलन के रूप में शुरू हो गया। 1858 से भूमि आंदोलन के रूप में विकसित यह आंदोलन 1890 में राजनीतिक आंदोलन में तब्दील हो गया, जब बिरसा मुंडा ने इसकी कमान संभाली। बिरसा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के उलिहातु गांव में हुआ था। व्यक्तित्व निर्माण और तालीम ईसाई मिशनरियों के संरक्षण में हुई। स्कूली शिक्षा के दौरान बिरसा में विद्रोह के लक्षण प्रकट होने लगे। आदिवासियों में भूतकेता पहनाई आदि की परंपरा है। वे धार्मिक कृत्यों के लिये जमीन छोड़ते हैं। उस समय ईसाई पादरी उस जमीन पर मिशन का कब्जा करने की कोशिश करते थे। बिरसा ने इसकी शिनाख्त ईसाई मिशनरियों और गोरों की साजिशों के रूप में की और इसकी वेबाक ढ़ंग से आलोचना की, जिस कारण वे स्कूल से निकाल दिये गये। इसके बाद वे सरदार आंदोलन में शमिल हो गये। ईसाई मिशन की सदस्यता छोड़ 1890-91 से करीब पांच साल तक वैष्णव संत आनंद पांड से हिन्दुओं के वैष्णव पंथ के आचार का ज्ञान प्राप्त किय और व्यक्तिक तथा सामाजिक जीवन पर धर्म के प्रभाव का मनन किया। परंपरागत धर्म की ओर उनकी वापसी हुई और उन्होंने धर्मोपदेश देना तथा धर्माचरण का पाठ पढ़ाना शुरू किया । ईसाई धर्म छोड़नेवाले सरदार बिरसा के अनुयायी बनने लगे। बिरसा का पंथ मुडा जनजातीय समाज के पुनर्जागरण का जरिया बना । उनका धार्मिक अभियान प्रकारांतर से आदिवासियों को अंग्रेजी हुकूमत और ईसाई मिशनरियों के विरोध में संगठित होकर आबाज बुलंद करने को प्ररित करने लगा। उस दौर उनकी लोकप्रियता इस कदर परवान चढ़ी कि उनके अनुयायी 'बिरसाइत' कहलाने लगे। उन्होंने सादा जीवन उच्च विचार अपनाने का उपदेश दिया और मुंडा समाज में व्याप्त अंधविश्वासों और कुरितियों पर जमकर प्रहार किया । वह जनेउ, खड़ाउ और हल्दी रंग की धोती पहनने लगे। उन्होंने कहा कि ईश्वर एक है और वह है सिंगवोंगा। भूत-प्रेत की पूजा और बलि देना निरर्थक है।सार्थक जीवन के लिये सामिष भोजन अथवा मांस-मछली

का त्याग करना जरूरी है। हड़िया पीना बंद करना होगा।
बिरसा के लोकप्रिय व्यक्तित्व के कारण सरदार आंदोलन में नई जान आ गयी। अगस्त 1895 में वन सम्बन्धी बकाये की माफी का आंदोलन चला। उसका नेतृत्व बिरसा ने किया। धर्मिक आधारों पर एकजूट बिरसइतो का संगठन जुझारू सेना की तरह मैदान मे उतर गया। बकाये की माफी के लिये उन्होंने चाईवासा तक की यात्रा की तथा रैयतों को एकजुट किया। अंग्रेजी हुकूमत ने बिरसा की मांग को ठुकरा दिया। बिरसा ने भी ऐलान कर दिया कि -' सरकार खत्म हो गयी। अब जंगल जमीन पर आदिवासियों का राज होगा। 9 अगस्त 1895 को चलकद में पहली बार विरसा को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उनके अनुयायियों ने उन्हे छुड़ा लिया।16 अगस्त 1895 को गिरफतार करने की योजना के साथ आये पुलिस वल को बिरसा के नेतृत्व में सुनियोजित ढ़ंग से घेरकर खदेड़ दिया। इससे बौखलाई अंग्रेजी हुकूमत ने 24 अगस्त 1895 को पुलिस अधीक्षक मेयर्स के नेतृत्व में पुलिस वल चलकद रवाना किया तथा रात के अंधेरे में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर यह आरोप लगाया गया कि लोगों को ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह करने के लिये उकसा रहे थे। मुंडा और कोल समाज ने बिरसाइतों के नेतृत्व में सरकार के साथ असहयोग करने का ऐलान कर दिया। व्यापक विरोध के कारण मुकदमा चलाने का स्थान रांची से बदलकर खूंटी कर दिया गया, लेकिन विरोध के तेवर में फर्क नहीं पड़ने के कारण मुकदमें की कार्रवाई रोककर तुरंत जेल भेज दिया गया। भाद्रवि की धारा 505 के तहत मुकदमा चला तथा उन्हें दो साल सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी। उन्हें रांची से हजारीबाग जेल भेज दिया गया। 1997 में झारखंड में भीषण अकाल पड़ा तथा चेचक की महामारी भी फैली। आदिवासी समाज बिरसा के नेतृत्व के अभाव में भी दमन-शोषण, अकाल तथा महामारी से एकसाथ जूझता रहा। 30 नवम्बर 1897 को बिरसा जेल से छुटे तथा चलकद लौटकर अकाल तथा महामारी से पीड़ित लोगों की सेवा में जुट गये। उनका यह कदम अपने अनुयायियों को संगठित करने का आधार बना। फरबरी 1898 में डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडारी क्षेत्र से आये मुंडाओं की सभा में उन्होंने आंदोलन की नई नीति की घोषणा की तथा खोये राज्य की वापसी के लिये धर्म तथा शांति का मार्ग अपनाने का आह्वान किया। उनके अभियान के तहत सामाजिक तथा सांस्कृतिक पक्ष को केन्द्र में रखकर आदिवासी समाज को मजबूत तथा संगठित करने का सिलसिला जारी रहा। 1889 के अंत में यह अभियान रंग लाया और अधिकार हासिल करने, खोये राज्य की प्राप्ति का लक्ष्य, जमीन को मालगुजारी से मुक्त करने तथा जंगल के अधिकार को वापस लेने के लिये व्यापक गोलवंदी ष्षुरू हुई। कोलेबिरा, बानो लोहरदग्गा, तोरपा, कर्रा, बसिया, खूंटी, मुरहु, बुंडु, तमाड़, पोड़ाहाट, सोनाहातु आदि स्थानों पर बैठक हुई।24 दिसम्बर 1899 को रांची के तोरपा, खूंटी, तमाड़ बसिया, आदि से लेकर सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर थाने तक में विद्रोह की आग भड़क उठी विद्रोह के दमन के लिये सिहभूम से रांची तक 500 बर्गमील क्षेत्र में सेना और पुलिस की कम्पनी बुलाकर बिरसा की गिरफ्तारी का अभियान तेज किया गया। सरदारों पर हमला करने और आंदोलन का साथ देनेवालो मुंडा- मानकियों को गिरफ्तार करने व आत्मसमर्पण न करनेवाले विद्रोहियों की घर -सम्पत्ति कुर्क करने की योजना को अमलीजामा पहनाया जाने लगा। सरकार ने बिरसा की सूचना देनेवालों और गिरफ्तारी में मदद देनेवालों मुंडा या मानकी को पांच सौ रुपयें पुरस्कार देने का ऐलान किया। बावजूद इसके बिरसा को गिरफ्तार नहीं कर पायी। बिरसा ने आंदोलन की रणनीति बदली, साठ स्थानों पर संगठन के केन्द्र बने। डोम्बारी पहाड़ी पर मुंडाओं की बैठक में 'उलगुलान' का ऐलान किया गया। बिरसा के इस आंदोलन की तुलना आजादी के आंदोलन में बहुत बाद 1942 के अगस्त क्रांति के काल से की जा सकती है। 1942 में महात्मा गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था।
बिरसा के नेतृत्व में अफसरों, पुलिस, अंग्रेज सरकार के संरक्षण में पलनेवाले जमींदारों और महाजनों को निशाना बनाया गया। खूंटी, तोरपा, बसिया, तमाड़, सबार्दा, मुरहू, चक्रणरपुर, पोड़ाहाट रांची और सिंहभूम में गोरिल्ला युद्ध ने हुकूमत की चूलें हिला दी। आंदोलन को कुचलने के लिये रांची और सिंहभूम को सेना के हवाले कर दिया गया। 8 जनबरी 1900 को डोम्बारी पहाड़ियों पर जमी बिरसाइत के जत्थे पर सेना ने आक्रमण कर दिया तथा युद्ध के दौरान लगभग 200 मुंडा मारे गये। सैलरकब पहाड़ी पर भी संघर्ष हुआ। इसके बाद भी बिरसा पकड़ में नहीं आये। आंदोलन की रणनीति के तहत अपने आंदोलन के केन्द्र बदले तथा घने जंगलों में संचालन के केन्द्र बनाये गये। जमकोपाई तथा पोड़ाहाट के जंगलों संगठन तथा प्रशिक्षण के कैंप बनाये गये। 3 फरवरी 1900 को सेंतरा के पश्चिम जंगल में बने शिबिर से बिरसा को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे गहरी नींद मे सोये हुए थे। पुलिस के भारी बंदोबस्त के साथ उन्हें तत्काल खूटी के रास्ते रांची कारागार लाकर बंद कर दिया गया। बिरसा के साथ अन्य 482 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ 15 आरोप दर्ज किये गये। शेष अन्य गिरफ्तार लोगों में सिर्फ 98 के खिलाफ आरोप सिद्ध हो पाया। बिरसा के विश्वासी गया मुडा और उनके पुत्र सानरे मुंडा को फांसी दी गयी। गया मुंडा की पत्नी मांकी को दो वर्ष सश्रम कारावास की सजा दी। मुकदमें की सुनवाई के शुरूआती दौर में उन्होंने जेल में भोजन करने के प्रति अनिच्छा जाहिर की। अदालत में तवियत खराब होने की बजह से जेल वापस भेज दिया गया। 1 जून को जेल अस्पताल के चिकित्सक ने सूचना दी कि बिरसा को हैजा हो गया है और उनके जीवित रहने की संभावना नहीं है। 9 जून 1900 की सुबह सूचना दी गयी कि बिरसा नहीं रहे ।इस तरह एक क्रांतिकारी जीवन का अंत हो गया। बिरसा के संघर्ष के परिणामस्वरूप छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 बना। जल , जंगल और जमीन पर पारंपरिक अधिकार की रक्षा के लिये शुरू हुए आंदोलन एक के बाद एक श्रृंखला में गतिमान रहा तथा इसकी परिणति अलग झारखंड राज्य के रूप में हुई, लेकिन अबुआ दिशुम का सपना साकार नहीं हो सका।
बिरसा के द्वारा स्थापित बिरसाइत पंथ आज भी कायम है।खूंटी जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर जंगल के बीच बिरसाइतों का गांव है अनिगड़ा। बिरसाइत सम्प्रदाय से जुड़े लोग मांस मछली नहीं खाते हैं, तुलसी की पूजा करते हैं। पहनने में सूती बस्त्र का इस्तेमाल करते हैं तथा नशे से दूर रहते है। हिंसा से दूर रहकर अहिंसा का पालन करते है। अनगड़ा में ही उदय मुडा को फांसी दी गयीं। कभी इस गांव में बिरसाइतों की संख्या 50 थी। अब ये नाममात्र के रह गये हैं। ये अपनी गरीबी और मुश्किलों से नाराज नहीं है, पर सरकारी उपेक्षा से ज्यादा दुखी है। यदि अंग्रेजों ने शोषण किया तो आजाद भारत की सरकार ने भी कम धोखा नहीं दिया। आजादी के बाद भी लगान- सूद से मुंडाओं को मुक्ति नहीं मिली। जल,जंगल,जमीन पर अधिकार नहीं मिला। अबुआ दिशुम का सपना पूरा नहीं हुआ। आज भी आदिवासियों की जल, जंगल, जमीन छीनी जा रही है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को विस्थापन के खिलाफ आवाज उठाने पर नक्सलवादी का ठप्पा लगाकर गोली मारी जा रही है। भूमाफियाओं द्वारा खुलेआम जमीन हड़पी जा रही है और आदिवासी समाज को समान वर्ग में परिवर्तित करने का षड्यंत्र चल रहा है। बफर जोन, वन सौंदर्यकरण, सिंचाई परिसर और बांधों के नाम पर पांचवीं अनुसूची क्षेत्र से आदिवासियों का कौड़ी के मोल मुआवजे देकर विस्थापन किया जा रहा है।अबुआ दिशुम-अबुआ राईज मात्र नारा बनकर रह गया। सीएनटी-एसपीटी एक्ट और संविधान प्रदत्त पांचवीं अनुसूची, पेसा कानून, वनाधिकार कानून तथा न्यायिक निर्णय समता जजमेंट आदि मुद्दों पर राज्य गठन होने के बाद जो सार्थक प्रयास केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा होना चाहिए, वो अब तक दिखाई नहीं दे रहा है।
वर्तमान दौर का समय कहीं ज्यादा प्रतिकूल है। भारत में अधिकांश विकास परियोजना संविधान की पांचवीं अनुसूची वाले आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही है ।क्योंकि संसाधनों के मामले में आदिवासी क्षेत्र समृद्ध रहा है और अब भी है । इस इलाके में देश का 71 फीसदी जंगल, 92 फीसदी कोयला, फीसदी बाक्साइट, 78 फीसदी लोहा, 100 फीसदी युरेनियम, 85 फीसदी तांबा, 65 फीसदी डोलोमाइट इत्यादि की भरमार है ।भारत के जल स्रोत का 70 फीसदी जल आदिवासी इलाके में है तथा करीब फीसदी उधोग के लिए कच्चा माल इन्ही क्षेत्रों से मिलता है ।यह प्रकृति की ओर से मिला वरदान है ।लेकिन यही वरदान इनके लिए चुनौती भी है, क्योंकि इन्ही संसाधनों की लूट और कब्जे को लेकर देश और दुनिया के कापोर्रेट की गिद्ध दृष्टि लगी है । इन संसाधनों पर काबिज होने की प्रक्रिया काफी तेज हो गया है। द्रुत गति से बढ़ रही कथित विकास परियोजनाओं से होने वाले विस्थापन का सामाधान निकालने के लिए अबतक कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। तेजी से बढ़ते विस्थापन की सबसे अधिक मार देश के आदिवासी पर पड रही है।

संक्षिप्त समाचार

सिंगापुर का बड़ा फैसला : भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली ऑनलाइन सामग्री ब्लॉक करने का आदेश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत में सिंगापुर के उच्चायोग ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार ने सोशल मीडिया साइटों को भारतीय समुदाय को निशाना बनाने वाली सामग्री को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। यह सामग्री संभवत: चीन से उत्पन्न हुई थी। सिंगापुर के गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, ऑनलाइन आपराधिक नुकसान अधिनियम 2023 के तहत पुलिस बल ने यूट्यूब, फेसबुक और एक्स पर सामग्री के लिए 'अक्षम करने के निर्देश' जारी किए हैं। ये निर्देश सिंगापुर के बहुसंस्कृतिवाद मॉडल को कमजोर करने वाली सामग्री से निपटने के लिए हैं। पिछले महीने चीनी सूचना क्षेत्र में सिंगापुर की सांस्कृतिक पहचान पर चिंता संबंधी बातें प्रसारित हुईं। इसके बाद ऑनलाइन सामग्री में सिंगापुर की विविधता पर भड़काऊ बातें सामने आईं। इसमें कहा गया कि सिंगापुर भारतीयों से 'भर गया' है। सिंगापुर सरकार स्वदेशीवाद और विदेशियों के प्रति घृणा का दृढ़ता से विरोध करती है। सरकार सामाजिक सद्भाव के लिए बाहरी खतरों को गंभीरता से लेती है और दृढ़ता से कार्रवाई करेगी।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका के प्रतिबंधों की चीन ने की आलोचना, कहा- बदमाशी बंद करे वाशिंगटन

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने क्यूबा के खिलाफ अपनी नाकेबंदी और प्रतिबंधों को और कड़ा कर दिया है तथा सार्वजनिक रूप से क्यूबा के नेताओं को निशाना बनाया है। प्रवक्ता ने कहा, यह एक बार फिर अमेरिकी बदमाशी, उत्पीड़न और दबाव की नीति को उजागर करता है। चीन इसका दृढ़ता से विरोध करता है। उन्होंने कहा कि क्यूबा में स्थिरता बनाए रखना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा अपेक्षा है। क्यूबा को अस्थिर करने की कोशिशें आखिरकार विफल होंगी। चीन ने अमेरिका से क्यूबा पर लगाई गई नाकेबंदी और हर प्रकार के दबाव को तुरंत खत्म करने की अपील की। चीनी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि चीन हमेशा क्यूबा की राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और बाहरी दखल के विरोध में उसके साथ खड़ा रहेगा। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में क्यूबा के राष्ट्रपति डियाज-कैनेल, उनकी पत्नी, सौतेले बेटे तथा क्यूबा के पूर्व नेता राउल कास्त्रो के बेटे और पोते को प्रतिबंध सूची में शामिल किया। मिगुएल डियाज-कैनेल ने इन प्रतिबंधों को क्यूबा के खिलाफ नाकेबंदी को और मजबूत करने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि क्यूबा साम्राज्यवादी आक्रमण का डटकर मुकाबला करेगा। वहीं, क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कदम को 'आर्थिक आक्रमण' करार देते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका इसे बहाना बनाकर क्यूबा के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की कोशिश कर सकता है।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा खतरा, यूरोप और उत्तरी अमेरिका तक पहुंच सकता है चिकनगुनिया

लंदन /वाशिंगटन, एजेंसी। कभी चिकनगुनिया को मुख्य रूप से गर्म जलवायु वाले देशों की बीमारी माना जाता था, पर अब वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन इस बीमारी का भूगोल बदल सकता है। बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण ऐसे मच्छरों का दायरा तेजी से बढ़ रहा है जो चिकनगुनिया वायरस फैलाते हैं। इसके परिणामस्वरूप आने वाले दशकों में दुनिया के कई ठंडे क्षेत्र भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। प्रतिष्ठित जर्नल फ्रंटियर्स इन सेलुलर एंड इन्फेक्शन माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार सदी के अंत तक उत्तर-पूर्वी उत्तरी अमेरिका, मध्य यूरोप और पूर्वी एशिया के कई हिस्से चिकनगुनिया के नए हॉटस्पॉट बन सकते हैं। अध्ययन में भारत के लिए भी चिंता जताई गई है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि बीमारी नए क्षेत्रों में फैलती है तो 1.21 करोड़ भारतीय इसके जोखिम में आ सकते हैं। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, नागासाकी यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल वैक्सीन इंस्टीट्यूट से जुड़े वैज्ञानिकों के एक अन्य अध्ययन के अनुसार, हर साल दुनिया भर में करीब 1.44 करोड़ लोग चिकनगुनिया के जोखिम में हैं। इनमें से करीब 51 लाख लोग भारत में हैं। भविष्य में यह संख्या वैश्विक स्तर पर 3.49 करोड़ तक पहुंच सकती है। बीमारी के बढ़ते खतरे के पीछे बड़ी भूमिका एशियाई टाइगर मच्छर, यानी एडीज एल्बोपिक्टस निभा सकता है। अब तक चिकनगुनिया मुख्यत: एडीज एजिप्टी मच्छर से फैलता था, जो गर्म व आर्द्र क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है। 2005-06 में वायरस में आनुवंशिक बदलाव की पहचान हुई जिसके बाद वायरस एडीज एल्बोपिक्टस के जरिए भी फैलने लगा। यह मच्छर ठंडे मौसम में भी जीवित रह सकता है। चिकनगुनिया एक वायरल संक्रमण है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है। इसके प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, जोड़ों में दर्द, सिरदर्द, थकान और शरीर पर चकत्ते शामिल हैं।

ट्रंप की टेक टीम को बड़ा झटका, व्हाइट हाउस के एआई सलाहकार श्रीराम कृष्णन देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नीति के प्रमुख सलाहकार रहे भारतीय मूल के श्रीराम कृष्णन जून के अंत में अपना पद छोड़ देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में एआई रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कृष्णन ने खुद सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह अमेरिका के सामने एआई से जुड़े बड़े मुद्दों पर नए स्तर पर काम करेंगे। उनके इस्तीफे को ट्रंप प्रशासन की टेक नीति के लिए बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है।

क्या बोले श्रीराम कृष्णन अपने इस्तीफे पर : श्रीराम कृष्णन ने कहा कि व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। उन्होंने कहा कि वह जून के आखिर में अपना पद छोड़ देंगे और कुछ समय के ब्रेक के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए एआई से जुड़े बड़े संस्थागत काम करेंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व के बिना अमेरिका एआई की वैश्विक दौड़ में आगे नहीं होता। कृष्णन ने अपने 18 महीने के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी एआई एक्शन प्लान तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्होंने एआई एक्सेलेरेशन पार्टनरशिप, राष्ट्रीय एआई नीति फ्रेमवर्क और एआई से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर काम किया। उन्होंने फ्रांस, भारत, ब्रिटेन और मध्य पूर्व में आयोजित एआई बैठकों का भी जिक्र किया।

एआई नीति में श्रीराम कृष्णन की क्या थी भूमिका : श्रीराम कृष्णन ट्रंप प्रशासन की उस टीम का हिस्सा थे जिसने अमेरिका में एआई सेक्टर के विस्तार के लिए रोडमैप तैयार किया। उन्होंने डेटा सेंटर बढ़ाने, एआई निवेश को आसान बनाने और नियमों में ढील देने जैसी नीतियों पर काम किया। माना जाता है कि उन्होंने राज्यों के एआई रेगुलेशन अधिकार सीमित करने वाले प्रस्तावित आदेश को तैयार करने में भी भूमिका निभाई थी। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि श्रीराम कृष्णन ने अपने निजी करियर को छोड़कर अमेरिका की तकनीकी ताकत को मजबूत करने के लिए बड़ा योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक नेतृत्व दिलाने में कृष्णन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

ट्रंप प्रशासन ने एआई पर क्यों बढ़ाया फोकस : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार एआई सेक्टर को अमेरिका की रणनीतिक ताकत बता रहे हैं। चीन के साथ बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच अमेरिका एआई, डेटा सेंटर, चिप निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेजी से निवेश कर रहा है। श्रीराम कृष्णन इसी रणनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। कृष्णन ने अपने बयान में कहा कि आने वाले समय में ऊर्जा, डेटा सेंटर और आम लोगों तक एआई के फायदे पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को मिलकर काम करना होगा। यही वजह है कि अब वह नए संस्थानों के जरिए इस दिशा में योगदान देना चाहते हैं।

कौन हैं श्रीराम कृष्णन, भारत से क्या लिंक : श्रीराम कृष्णन भारती मूल के ही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान उन्हें एआई पॉलिसी के मुख्य रणनीतिकार के रूप में नियुक्त किया गया था। वह एआई पॉलिसी एडवाइजर के तौर पर कार्य कर रहे थे। श्रीराम का जन्म चेन्नई में हुआ था और उन्होंने चेन्नई के ही एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद उन्होंने ट्विटर, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट, स्नैप जैसी वैश्विक टेक कंपनियों के लिए काम किया। वह लंबे समय तक कैपिटल फर्म एंड्रीसन होरोविट्स के साथ भी जुड़े रहे। 2024 में डोनाल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस में उनकी नियुक्ति का ऐलान किया। ट्रंप के करीबी लॉरा लूमर ने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था। एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप इमीग्रेशन के सुधार के नियम लागू कर रहे थे और दूसरी तरफ भारतीय मूल के शख्स को इतना बड़ा पद दे रहे थे। विवादों के बीच भी कृष्णन ने जमकर काम किया और एआई नीति के एक प्रभावशाली फ्रेमवर्क तैयार किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कर चुके हैं तारीफ : एआई रेग्युलेशन से जुड़े सरकारी मसौदे पर काम करने वाले वह प्रमुख सलाहकार थे। वाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने उनकी कई बार तारीफ की और कहा कि वह वाइट हाउस के अनमोल रत्नों में शामिल हैं। श्रीराम कृष्णन ने अमेरिकी संसद के साथ एाई नीति पर काम करने की नींव रखी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनकी कई बार तारीफ कर चुके हैं। वहीं कृष्णन ट्रंप की तारीफ करते हुए कहते हैं कि बिना उनके नेतृत्व के एआई की दौड़ में अमेरिका अग्रणी ना हो पाता। रिपोर्ट्स में कहा जाता था कि कृष्णन अपनी टीम में भी काफी लोकप्रिय थे।

पाकिस्तान में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी संगठन पर प्रतिबंध के बाद बवाल, दर्जनों कार्यकर्ता गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थानीय संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद प्रशासन ने शनिवार को उसके दर्जनों सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए शुक्रवार को संगठन को गैरकानूनी घोषित किया था। प्रशासन द्वारा जुलाई में आम चुनाव कराने की घोषणा के बीच जेएएसी ने अपनी मांगों को लेकर 9 जून को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसके बाद सरकार ने संगठन पर प्रतिबंध लगाते हुए उसके कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी।

बीते साल पीओके में विरोध प्रदर्शनों के पीछे था जेएएसी : पिछले वर्ष जेएएसी और उसके विरोधी समूहों के बीच हुए प्रदर्शनों और जवाबी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी और अनेक घायल हुए थे। संगठन 38 सूत्रीय मांगपत्र को लागू करने की मांग कर रहा था। इनमें सस्ती दरों पर आटा और बिजली उपलब्ध कराना तथा क्षेत्रीय विधानसभा में कश्मीरियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करना शामिल था। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को रावलाकोट में गोलीबारी की एक घटना में जेएएसी के एक सदस्य की मौत के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि जेएएसी को अवैध घोषित किए जाने के बाद उससे जुड़े लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शन की घोषणा के कारण क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। एहतियात के तौर पर जम्मू-कश्मीर विश्वविद्यालय और मीरपुर इंटरमीडिएट बोर्ड ने 8 जून से शुरू होने वाली परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। संभावित विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए प्रशासन ने अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मांग की है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूर्व एनएसए को बताया बुरा और भ्रष्ट इंसान, बोले- बेईमानी की कीमत चुका रहे जॉन बोल्टन

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन पर तीखा हमला किया है। ट्रंप ने बोल्टन को एक बुरा और भ्रष्ट आदमी करार दिया है। उन्होंने कहा कि बोल्टन अपनी बेईमानी की सजा भुगत रहे हैं। शनिवार को चिप्पेवा फॉल्स की यात्रा के दौरान एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने बोल्टन की जमकर आलोचना की। ट्रंप ने कहा कि जॉन बोल्टन एक बेईमान इंसान हैं और वह बिल्कुल भी समझदार नहीं हैं। ट्रंप के मुताबिक, बोल्टन को युद्ध करने का बहुत शौक था। वह हर उस व्यक्ति के खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहते थे जो उनके सामने बोलता था।

उन्होंने यह भी कहा कि वह कभी बोल्टन के प्रशंसक नहीं रहे और उन्हें केवल एक खास उद्देश्य के लिए काम पर रखा था। ट्रप ने दावा किया कि बोल्टन ने पूर्व राष्ट्रपति बुश के समय भी बहुत सी समस्याएं खड़ी की थीं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि बोल्टन की युद्ध वाली सलाहों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था क्योंकि वह कभी उनकी बात नहीं सुनते थे। ट्रंप ने बोल्टन की किताब का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने सारी जानकारी ली और उसका गलत इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन को पकड़ लिया गया है और अब वह अपनी बेईमानी की कीमत चुका रहे हैं।

इस बीच, जॉन बोल्टन पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि बोल्टन गोपनीय दस्तावेजों को गलत तरीके से रखने के मामले में अपना दोष स्वीकार कर सकते हैं। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े बेहद संवेदनशील दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने का एक गंभीर आरोप है। इस मामले में बोल्टन 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का जुर्माना देने पर सहमत हुए हैं।

मैरीलैंड के सरकारी वकीलों ने बोल्टन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान की डायरी के पन्ने अपने घर में छिपाकर रखे थे। अगर वह दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें 0 से लेकर 60 महीने तक की जेल हो सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई 26 जून को होने की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा कि बोल्टन एक कट्टरपंथी थे जो केवल युद्ध की भाषा समझते थे।

इस्त्राइल में लगेगी छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा, जानिए क्या बोले इस्त्राइली राजनयिक

येरूशलम, एजेंसी। भारत और इस्त्राइल के बीच सांस्कृतिक और कूटनीतिक रिश्तों को नई मजबूती मिलने जा रही है। इस्त्राइल में जल्द ही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा और स्मारक स्थापित किए जाएंगे, जिसे दोनों देशों की दोस्ती का प्रतीक माना जा रहा है। इस्त्राइल के कॉन्सुल (राजनयिक) जनरल यानिव रेवाच ने बताया कि यह पहल भारत-इस्त्राइल संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, उन्होंने लेबनान से होने वाले हमलों के खिलाफ इस्त्राइल की सुरक्षा कार्रवाई का बचाव किया।

दोस्ती और प्रेरणा का प्रतीक होगी प्रतिमा : यानिव रेवाच के कहा कि यह परियोजना केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक गुडविल प्रोजेक्ट है, जो दोनों देशों के लोगों को जोड़ने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भारत और इस्त्राइल के बीच दोस्ती और प्रेरणा का स्थायी प्रतीक बनेगी। पिछले फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्त्राइल के दौरे के बाद, हमने तय किया कि हम यहां भारत में एक बड़े प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। इस विचार ने असल में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दफ्तर को भी सूचित किया। वह तुरंत मुझसे मिलने के लिए मान गए। सिर्फ इतना ही नहीं, उन्होंने मुझसे कहा कि वह हमारे खूबसूरत प्रोजेक्ट का समर्थन करने और हमारी हर तरह से मदद करने को तैयार हैं जिसकी हमें जरूरत होगी। ऐतिहासिक जुड़ाव से मिली प्रेरणा इ स्त्राइली राजनयिक ने बताया कि भारत का इतिहास उन्हें बेहद प्रेरणादायक लगा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संघर्ष और राष्ट्र निर्माण की कहानियों में कई समानताएं हैं। इसी सोच के तहत इस सांस्कृतिक परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसमें शिवाजी महाराज की मूर्ति इस्त्राइल में स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, हम यह भी सोच रहे हैं कि क्या हम शिवाजी की किताब का हिब्रू में ट्रांसलेशन कर सकते हैं, इसका ट्रांसलेशन करें ताकि लोग उनकी स्क्रिप्ट के बारे में जान सकें।

कला और शिक्षा पर भी जोर : इस्त्राइल प्रशासन इस परियोजना को केवल प्रतिमा तक सीमित नहीं रखना चाहता। योजना के तहत एक श्रेष्ठ कलाकार द्वारा मूर्ति तैयार की जाएगी और इसे इस्त्राइल के किसी प्रमुख स्थान पर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा, शिवाजी महाराज के जीवन और विचारों को समझाने के लिए उनकी पुस्तक का हिब्रू भाषा में अनुवाद करने की भी संभावना पर विचार किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और इस्त्राइल के बीच रक्षा, तकनीक, साइबर सुरक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ा है। अब यह साझेदारी सांस्कृतिक स्तर पर भी मजबूत होती दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे सांस्कृतिक प्रोजेक्ट दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के संबंधों को और मजबूत करेंगे। इस्त्राइली राजनयिक ने कहा कि लेबनान के साथ उसका कोई सीधा विवाद नहीं है और वह वहां की सरकार और जनता के साथ शांति चाहता है।

पश्चिम एशिया तनाव: अमेरिका-ईरान जंग के बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री तीसरी बार पहुंचे तेहरान, शांति वार्ता की कोशिशें जारी

इस्लामाबाद/तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते अमेरिका-ईरान तनाव के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी शनिवार को तीसरी बार ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्र में शांति बहाली को लेकर महत्वपूर्ण वार्ताएं कीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोहसिन नकवी का यह पिछले कुछ हफ्तों में ईरान का तीसरा दौरा है। पाकिस्तान इस समय दोनों देशों के बीच संवाद स्थापित करने और तनाव कम करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। तेहरान पहुंचने पर नकवी का स्वागत ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने किया।

शीर्ष नेताओं से हुई अहम मुलाकातें : यात्रा के दौरान मोहसिन नकवी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में क्षेत्रीय सुरक्षा, द्विपक्षीय संबंध और मौजूदा भू-राजनीतिक हालात पर चर्चा होने की संभावना है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हुई चर्चा : तेहरान रवाना होने से पहले मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, इस बैठक में क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

क्षेत्रीय संकट और कूटनीतिक कोशिशें : पश्चिम एशिया में तनाव उस समय बढ़ा जब 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इस्त्राइल ने ईरान पर हमले किए, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। हालांकि अप्रैल में सीजफायर के बाद हालात कुछ हद तक शांत हुए, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। इस बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने की कोशिशें तेज कर दी हैं। अप्रैल में पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच पहली प्रत्यक्ष वार्ता की मेजबानी की थी, हालांकि उस दौरान किसी ठोस समझौते पर सहमति नहीं बन सकी थी।

ईरान बार-बार क्यों जा रहे पाकिस्तानी नेता : पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी पिछले कुछ दिनों में तीन बार ईरान की राजधानी तेहरान का दौरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने ईरान के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की है, जिनमें विदेश मंत्री अब्बास अराघची, राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, ईरान का विदेश मंत्रालय अमेरिका की ओर से मिले एक नए प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। यह प्रस्ताव पाकिस्तान ने ही ईरान तक पहुंचाया है। कहा जा रहा है कि यह पहल पुराने प्रस्तावों से अलग है और इसका मकसद मौजूदा तनाव को कम करना है। इस प्रस्ताव का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच चल रही शत्रुता को खत्म करना और बातचीत के लिए एक नया ढांचा तैयार करना है।

बीच पर बिछा दी गईं डॉल्फिन और व्हेल की लाशें, 700 मछलियों की हत्या से लाल हो गया समंदर

कोपेनहेगन , एजेंसी। इंसानों की क्रूरता की ऐसी तस्वीर आपने शायद ही कभी देखी हो। मछलियों को पकड़कर जीवन यापन करना एक सामान्य बात है लेकिन व्हेल और डॉल्फिन जैसी सैकड़ों मछिलियों को जिंदा ही चाकू से चीर डालना और फिर उनको तड़फड़ाते देखकर जश्न मनाना बहुत ही दिल दहलाने वाला है। डेनमार्क के फारो द्वीप पर लोग हर साल एक बार इस तरह का क्रूर 'उत्सव' मनाते हैं। इस आयोजन को 'द ग्रिंड' कहा जाता है। इस संहार को देखने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी पहुंचते हैं। इस बार 'द ग्रिंड' के दौरान लगभग 700 व्हेल और डाल्फिन को नाव से खींचकर किनारे की ओर लाया गया और फिर उथले समंदर में उन्हें चाकुओं से फाड़ डाला गया।

मछलियों की इस तरह की नृशंस हत्या से इतना खून निकला कि समंदर का पानी लाल हो गया। जानकारी के मुताबिक यह आयोजन 27 मई को किया गया था। इसके बाद समंदर के किनारे सैकड़ों मछलियां पड़ी दिखीं। फारो आईलैंड के ग्लोबल मरीन कंजर्वेशन सी शेफर्ड के डायरेक्टर वैलेंटीना क्रास्ट ने कहा कि उन्होंने यूरोपीय सरकारों से इस कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है लेकिन कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 'द ग्रिंड' वाले दिन कम से कम 402 व्हेल और 300 डाल्फिन को मार डाला गया। पेटा की अध्यक्ष एलिसा एलेन ने कहा कि, ये जलीय जीव दर्द से कराहते हैं और छटपटाते हैं। व्हेल और डाल्फिन जैसी मछलियां अपने परिवार के साथ रहती हैं और उनके पूरे परिवार को ही इस तरह निर्दयता से मार डाला डाता है। ये मछलियां ज्यादा संवेदनशील होती हैं और ऐसे में उन्हें दर्द का अहसास भी ज्यादा होता है। एक एनीमल राइट ऐक्टिविस्ट ने कहा कि यह नृशंस कार्यक्रम 1000 साल से चला आ रहा है। फारो एक स्वतंत्र राज्य है और यहां के लोग इसे अपनी संस्कृति का हिस्सा मानते हैं। फारो के प्रशासन का भी कहना है कि इस उत्सव के दौरान पर्यावरण का भी पूरा ध्यान रखा जाता है। उनका कहना है कि उत्तर अटलांटिक में व्हेल और डाल्फिन की संख्या काफी अच्छी है।

ऐसे में पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता है। जानकारी के मुताबिक तोर्शावन में 402 पायलट व्हेल और 4 बॉटलनोज डॉल्फिन मारी गई हैं। स्कालाबोटनुर में 168 व्लाइट साइडेड डॉल्फिन और व्हालविक में 132 वाइट साइडेड डॉल्फिन मारी गई हैं। बताया जाता है कि यह परंपरा 1000 साल पुरानी वाइकिंग युग की है। ऐक्टिविस्ट्स का कहना है कि यह परंपरा आज के युग में जरूरी नहीं है। फारो द्वीप की संसद ने अपने पशु कल्याण कानून में भी बदलाव कर दिया है। डॉल्फिन को सुरक्षा देने वाला कानून भी हटा दिया गया है।

अमेरिका के ओहियो में फेस्टिवल के दौरान गोलीबारी, कई लोगों की मौत

टोलेडो (ओहायो), एजेंसी। अमेरिकी प्रांत ओहियो में एक सामुदायिक उत्सव के दौरान गोलीबारी की घटना में कई लोग मारे गए हैं। यह घटना रविवार दोपहर, टोलेडो में हुई। घटना में घायल हुए लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, पुलिस ने बताया कि संदिग्धों की तलाश बड़े पैमाने पर चल रही है। टोलेडो पुलिस को पहले जानकारी मिली थी कि ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में एक व्यक्ति को गोली मारी गई है। लेकिन पुलिस के मुताबिक जब टीम घटनास्थल पर पहुंची तो वहां घायलों की संख्या काफी ज्यादा थी। पुलिस ने बताया कि कई घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हालांकि उसने यह जानकारी नहीं कि उनकी हालत कितनी गंभीर है या मरने वालों की संख्या कितनी है।

चश्मदीद की आंखों देखी : घटना के दौरान वहां मौजूद चश्मदीदों ने उस दौरान का हाल बयां किया है। ऐसे ही एक शख्स केविन बेरी हैं। बेरी ने बताया कि मैं बगल में अपने दोस्तों के साथ बैठा लाइव म्यूजिक सुन रहा था। इसी दौरान मैंने गोलियां चलने की आवाज सुनी। तमाम लोग जमीन पर पड़े थे। बेरी के मुताबिक जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो उनसे केवल 50 फीट की दूरी पर बंदूक उछाली जा रही थी। वहीं, फेस्टिवल को देखते हुए वहां तैनात पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और गोलीबारी का जवाब दिया।

सोशल मीडिया पर वीडियो : घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि जिम्मेदार लोगों की सक्रिय तलाश जारी है। सिटी काउंसिल सदस्य थेरेसा मॉरिस ने कहाकि शूटिंग में कम से कम आठ लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहाकि यह त्रासदी वास्तव में दोनों, निवासियों और उन लोगों पर जो हर साल इस त्योहार का आनंद लेने और देखने आते हैं, भारी पड़ रही है। ओहियो के गवर्नर माइक डिवाइन ने बयान में कहाकि मैं आज रात टोलेडो की स्थिति को लेकर गहरी चिंता में हूं। समर फेस्टिवल परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान होने चाहिए

ताकि वे बिना हिंसा के डर के साथ समय बिता सकें। इस बीच सोशल मीडिया पर घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। इसमें गोलीबारी की आवाज के बीच लोगों को भागते देखा जा सकता है। साथ ही इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात अधिकारी घायलों को मदद पहुंचाने में जुटे हैं।

फेस्टिवल के बीच आखिर कैसे मची अफरा-तफरी : टोलेडो पुलिस के अनुसार यह घटना शनिवार शाम उस समय हुई जब ओल्ड वेस्ट एंड फेस्टिवल में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। यह दो दिवसीय आयोजन शहर के ऐतिहासिक इलाके में हर साल आयोजित किया जाता है, जिसमें लाइव म्यूजिक, खाने-पीने के स्टॉल, खरीदारी और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अचानक गोलियों की आवाज सुनाई दी और देखते ही देखते पूरा इलाका अफरा-तफरी में बदल गया। लोग जमीन पर लेट गए और कई लोग जान बचाने के लिए भागते नजर आए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोग चीखते और दौड़ते दिखाई दिए।

कितने लोग घायल हुए और क्या बोली पुलिस : टोलेडो पुलिस के डिप्टी चीफ जो हेफरनन ने बताया कि कम से कम 12 लोग घायल हुए हैं। इनमें दो लोगों की हालत बेहद गंभीर है। पुलिस का मानना है कि कम से कम दो लोग एक-दूसरे पर गोलियां चला रहे थे। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और संदिग्धों की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

फेस्टिवल में मौजूद केविन बेरी ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ लाइव म्यूजिक सुन रहे थे तभी अचानक कई गोलियों की आवाज आई। उन्होंने कहा कि लोग तुरंत जमीन पर लेट गए। कुछ देर बाद उन्होंने एक बंदूक को पास में गिरते देखा।

अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी।

घर पर बनाएं कैफे जैसी होममेड आइस्क्रीम, फैमिली के साथ उठाएं इसका लुत्फ

गर्मियों में आइस्क्रीम खाना भला किसे नहीं पसंद होता है। गर्मी में खुद को फ्रेश रखने के लिए ठंडी, क्रीमी और स्वादिष्ट चीज खाने के क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में हम कुछ न कुछ अपनी डाइट में ऐसा शामिल करते हैं, जिसका स्वाद लेना किसी जादू से कम नहीं होता है। लेकिन रोजाना आर्टिफिशियल फ्लेवर लेना हमारे लिए अच्छा नहीं होता है। ऐसे में आप अपने घर पर कुछ नया और अच्छा बना सकते हैं।

बता दें कि अगर आप कॉफी लवर हैं और आइस्क्रीम खाना पसंद करते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप इस मजेदार कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं और घर पर ही कुछ चीजों की मदद से आइस्क्रीम तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको चीनी, पानी, दूध, कॉफी और क्रीम जैसी चीजों की जरूरत होगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होममेड आइस्क्रीम की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

कॉफी पाउडर- 1 पैकेट या 2 चम्मच
चीनी- आधा कप
पानी- आधा कप
दूध- 1 कप
क्रीम- आधा कप
चॉकलेट चिप- आधा कप
वैनिला एसेंस- आधा कप
होममेड आइसक्रीम

सबसे पहले ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को तैयार रखें। अब एक बाउल में गुनगुने पानी में कॉफी पाउडर और चीनी डालकर अच्छे से घोल लें।

फिर इन सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाएं। वहीं दूसरे बाउल में क्रीम, दूध और बाकी का सामान डालकर अच्छे से मिलाएं। आप चाहें तो इसमें वैनिला एसेंस भी मिला सकते हैं।

इसके बाद एक चम्मच की सहायता से सभी चीजों को मिलाएं और फिर दोनों को एक साथ मिक्स कर दें। अब तैयार हुए मिश्रण को एक एयरटाइट कंटेनर में डालें और ढक्कन लगाकर करीब 6-8 घंटे या फिर पूरी रात फ्रीजर में जमने के लिए रख दें।

वहीं अगर आपको ज्यादा क्रीमी टेक्सचर चाहिए, तो आपको 2-3 घंटे बाद फ्रीजर से मिक्सचर को निकालकर फिर से फेंटें और दोबारा फ्रीज करें।

जब आइस्क्रीम अच्छे से जम जाए तो स्कूप निकालें और फिर ऊपर से थोड़ा सा इंस्टेंट कॉफी पाउडर या चॉकलेट चिप्स डालकर सर्व करें।

होंठों का रंग पड़ने लगा है काला? सुर्ख गुलाबी और मुलायम लिप्स के लिए अपना लें ये 5 आसान तरीके

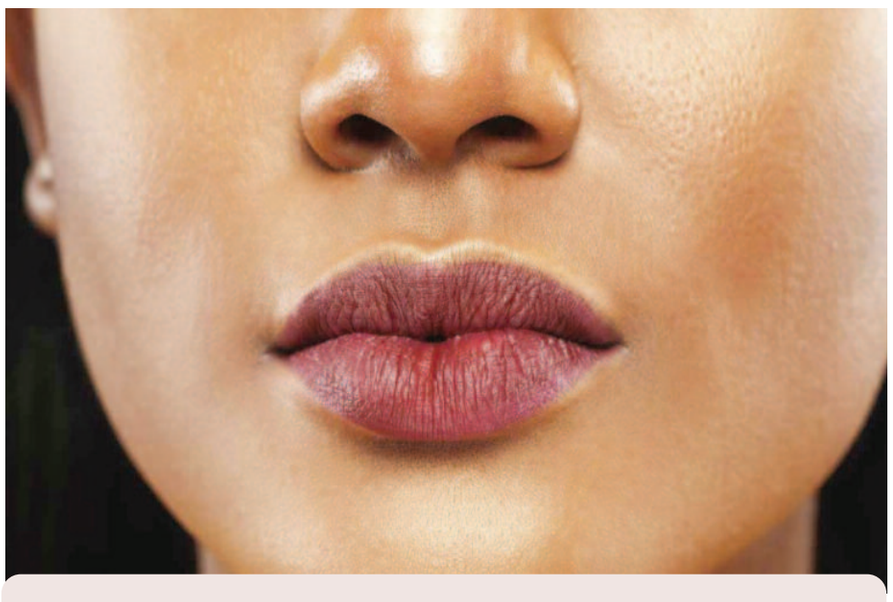

कहते हैं कि होठों की खूबसूरती चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती है और काले होंठ चेहरे की खूबसूरती कम कर देते हैं। यदि होंठ गुलाबी और मुलायम हों तो मुस्कान भी अधिक आकर्षक लगती है। लेकिन कई कारणों से होंठों का रंग काला पड़ सकता है, जैसे धूप में ज्यादा रहना, कम पानी पीना, धूम्रपान करना, ज्यादा चाय-कॉफी पीना या खराब लिप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना।

ऐसे कई लोग हैं जो अपने होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने के लिए बाजार में मौजूद महंगे उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन उन्हें कोई फर्क नजर नहीं आता। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जिन्होंने अपने काले होठों पर काफी पैसे खर्च कर दिए हैं और होठों के कालेपन में कोई सुधार नहीं हुआ है तो आइए जानते हैं ऐसे 5 टिप्स के बारे में जिन्हें अपनाकर आप प्राकृतिक गुलाबी होंठ पा सकते हैं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा में मौजूद एलिसिन त्वचा का रंग हल्का करने में मदद करता है। रोजाना होठों पर ताजा एलोवेरा जेल लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें। यह होठों को मुलायम और गुलाबी बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही यह होठों को नमी प्रदान करने में भी मदद करता है।

नींबू का रस

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं। रोजाना रात को सोने से पहले अपने होठों पर ताजा नींबू का रस लगाएं और सुबह इसे धो लें। यह धीरे-धीरे होठों का कालापन कम कर देता है।

शहद और चीनी

1 चम्मच शहद में 1 चम्मच चीनी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे अपने होठों पर हल्के हाथों से रगड़ें और कुछ मिनट बाद धो लें। यह मृत कोशिकाओं को हटाता है और होंठों को मुलायम बनाता है। इसके साथ ही यह आपके होठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाने में भी मदद करता है।

चुकंदर का रस

चुकंदर का जूस एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और होठों को गुलाबी रंग देता है। होठों पर ताजा चुकंदर का रस लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें या रात भर के लिए छोड़ दें। इससे आपके होठों को प्राकृतिक गुलाबी रंग मिलेगा।

हल्दी

हल्दी त्वचा का कालापन कम करने में मदद करती है। थोड़ी सी हल्दी को दूध या शहद में मिलाकर पेस्ट बना लें और होठों पर लगाएं। 5-10 मिनट बाद धो लें। नियमित उपयोग से होठों का रंग हल्का हो सकता है। इसके साथ ही आपके होंठ मुलायम भी हो जाएंगे।

धूम्रपान बिलकुल न करें।

सस्ते लिपस्टिक और लिप बाम का प्रयोग न करें।

बार-बार होठों पर जीभ न लगायें।

घर से बाहर निकलते समय न केवल चेहरे पर बल्कि होठों पर भी सनस्क्रीन लगाएं।

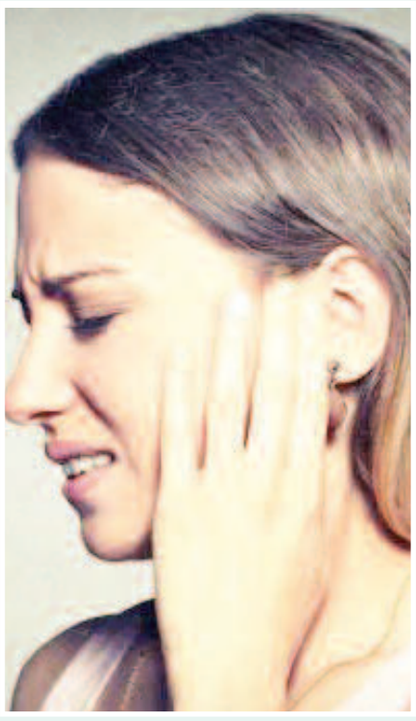

कानों पर आने वाले बालों को कैसे करें साफ?

इन घरेलू उपायों से आसानी से हो जाएंगे क्लीन

कानों के आसपास अनचाहे बाल होना आम बात है, लेकिन ये बाल चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। आप इन अनचाहे बालों को घर पर ही देसी तरीके से हटा सकते हैं।

कानों के आस-पास कई बार अनचाहे बाल हो जाते हैं। पुरुषों में तो इस तरह की समस्याएं सामान्य तौर पर देखने को मिल ही जाती हैं, लेकिन कई बार महिलाओं में भी हार्मोनल बदलाव के कारण कानों पर बाल उगने लगते हैं, जो चेहरे की सुंदरता को कम करते हैं। वैसे तो कानों पर आने वाले बालों को हटाने के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मौजूद हैं, लेकिन आप इन अनचाहे बालों को आसानी से घरेलू उपाय से भी हटा सकते हैं।

नींबू और शहद का करें उपयोग

कानों पर आए अनचाहे बालों को आप नींबू और शहद की मदद से आप आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए आप एक चम्मच नींबू का रस और दो चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे कानों के बालों पर लगाएं और 20 मिनट बाद पानी से धो लें। यह उपाय हफ्ते में 2 बार करें। इससे बाल तो कम होंगे ही, साथ ही साथ हेयर ग्रोथ भी कम हो जाएगा।

बेसन और हल्दी का पैक

कानों पर आए बालों को हटाने के लिए आप बेसन और हल्दी के पैक का उपयोग कर सकते हैं। इसका उपयोग पुराने समय से बालों को हटाने के लिए किया जाता रहा है। इसको बनाने के लिए आप एक चम्मच बेसन, आधा चम्मच हल्दी और थोड़ा दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें और इसे कानों पर लगाकर सूखने दें। कुछ समय के बाद इसको हल्के हाथों से रगड़कर हटाएं। इससे बाल कम हो जाएंगे।

घर पर बनाएं वैक्स

बालों को हटाने के लिए आप घर पर ही एक हेयर रिमूवल वैक्स भी तैयार कर सकते हैं। इसको बनाने के लिए आप शक्कर, नींबू का रस और पानी को मिलाकर गर्म करें और एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे कान के बालों पर लगाएं और एक साफ कपड़े से इसको हटा लें।

बच्चों को हेल्दी और फिट रखने के लिए उनकी डाइट का रखें खास ख्याल, अपनाएं ये टिप्स

हर पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका बच्चा फिट और हेल्दी रहे ताकि उसको ग्रोथ अच्छे से हो सके. लेकिन बच्चों को हेल्दी रखना किसी टॉस्क से कम नही है. खासतौर से जब बात आती है खानपान की तो बच्चों को हेल्दी खाना अमूमन पसंद नही आता है. हरी सब्जियां और दाल जैसी चीजें जो पोषक तत्वों से भरपूर होती है बच्चे उनको खाने में मुंह बनाते हैं. अनहेल्दी खाने की चीजों जैसे की जंक फूड और पैकेज्ड फूड की तरफ उनका रूझान ज्यादा रहता है. यह चीजें सही ग्रोथ और शरीर मजबूत बनाने से रोक सकती हैं. ऐसे में बच्चों की खास देखभाल करने की जरूरत होती है, जिसमें डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान देना जरूरी है.

आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंग जो आपके बच्चों को हेल्दी रखने में मदद कर सकते हैं.

हेल्दी ब्रेकफास्ट

बच्चे के ब्रेकफास्ट में हमेशा हेल्दी चीजों को ही शामिल करें. अमूमन घरों में नाश्ते में ब्रेड-बटर या फिर रेडी टू ईट चीजों का सेवन किया जाता है. जिससे बच्चों से सही से पोषण नहीं मिल पाता है. ऐसे में आप उनके लिए घर में ही हेल्दी चीजें बनाएं. आप उन्हें नाश्ते में इडली, डोसा, उपमा या पोहा उन्हें दे सकते हैं.

घर में बनाएं स्प्रेड

अगर आपके बच्चे को चॉकलेट स्प्रेड, जैम और केचप खाना पसंद है तो इन चीजों को बाजार से खरीदने की बजाय घर पर ही बनाने की कोशिश करें. क्योंकि बाहर मिलने वाली चीजों में प्रिजर्वेटिव होते हैं जो सेहत के लिए अच्छे नहीं पाए जाते.

पैकेज्ड फूड

पैकेज्ड फूड्स चिप्स, कुकीज जैसी चीजों का सेवन सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है. इसलिए आप इन चीजों से बच्चों को बचाएं और घर पर बनी चीजों को ही उन्हें खाने के लिए दें.

फल

अपने बच्चे की डाइट में फलों को जरूर शामिल करें. एक दिन में कम से कम उनकी डाइट में 1 सीजनल फ्रूट जरूर शामिल करें.

पैकेज्ड जूस

पैकेज्ड जूस में केवल प्रिजर्वेटिव और चीनी होती है. इनका सेवन करने से बच्चे बीमार भी हो सकते हैं. इसलिए इनकी जगह ताजे फलों का जूस, नींबू पानी, नारियल पानी देना शुरू करें.

हरी सब्जियां

अपने बच्चे की डाइट में सीजनल सब्जियां और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें. अगर वो इनको देखकर मुंह बनाते हैं तो आप क्रिएटिव तरीके से उनकी डाइट में हरी सब्जियों को शामिल करें.

शुद्ध और अद्यतन मतदाता सूची के लिए चमोली में शुरू हुआ घर-घर सत्यापन अभियान

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव कुमार के नेतृत्व में जनपद चमोली में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार से बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन, गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अभियान के दौरान सोमवार को विधानसभा क्षेत्र बद्रीनाथ के गोपेश्वर गांव स्थित भाग संख्या-97 के बीएलओ सूरत सिंह असवाल ने प्रख्यात पर्यावरणविद एवं महात्मा गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित चंडी प्रसाद भट्ट का गणना प्रपत्र भरवाया। इस अवसर पर श्री भट्ट ने प्रदेशवासियों से लोकतंत्र को सशक्त बनाने के इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा अपने मतदाता विवरण का सत्यापन कराने की अपील की।

जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए 29 मई से 07 जून 2026 तक तैयारी, प्रशिक्षण एवं आवश्यक प्रिंटिंग कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। साथ ही आज 08 जून से 07 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण करेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में विशेष गहन पुनरीक्षण

अभियान के तहत कुल 592 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन एवं गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संग्रहण कार्य कर रहे हैं। इनमें विधानसभा क्षेत्र 04 बद्रीनाथ में 210, विधानसभा क्षेत्र 05 थराली में 203 तथा विधानसभा क्षेत्र 06 कर्णप्रयाग में 179 बीएलओ तैनात किए गए हैं। अभियान के प्रथम दिवस बीएलओ द्वारा विधानसभा क्षेत्र बद्रीनाथ में 1,353, थराली में 1,916 तथा कर्णप्रयाग में 1,600 गणना प्रपत्र घर-घर जाकर वितरित किए गए। जनपद में कुल 2,95,623 गणना प्रपत्र मतदाताओं से भरवाए जाने हैं। सभी बीएलओ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक परिवार तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए गणना प्रपत्र भरवाने का कार्य कर रहे हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी डीसी सती ने बताया कि प्रारूप निर्वाचक नामावली का प्रकाशन 14 जुलाई 2026 को किया जाएगा। इसके उपरांत 14 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। मतदाता अपने दावे एवं आपत्तियां ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से दर्ज करा सकेंगे। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का नियमानुसार निस्तारण 11 सितंबर 2026 तक किया जाएगा ।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मुख्यमंत्री को सौंपा गणना फॉर्म

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखण्ड में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार से बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन, गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। सोमवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी. आर. सी. पुरुषोत्तम ने गणना फॉर्म सौंपा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के शुद्धिकरण हेतु यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी मतदाताओं को गणना फार्म उपलब्ध कराए जाएंगे। आगामी 7 जुलाई तक एक माह के समय में बीएलओ द्वारा मतदाताओं के गणना फार्मों को बीएलओ एप्प के माध्यम से डिजिटिलाइज किया जाएगा। इस अवसर पर सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास मौजूद रहे।

एक नजर

तुंगनाथ मंदिर के आसपास 15 को चलेगा स्वच्छता अभियान

रुद्रप्रयाग। तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर के आसपास 15 जून को वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। मंदिर परिसर, यात्रा मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में होने वाले इस अभियान में स्थानीय लोग, श्रद्धालु, मंदिर समिति और पुलिस भी शामिल हुई। तुंगनाथ मंदिर के पुजारी अभिषेक मैठाणी ने श्रद्धालुओं, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों से अभियान में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि मंदिर पहुंचने वाले हर श्रद्धालु अपने साथ एक खाली थैला लेकर आए और यात्रा के दौरान प्लास्टिक तथा अन्य कचरे को उसी में भरकर वापस नीचे लाए। उन्होंने कहा कि इससे तुंगनाथ मंदिर और आसपास के संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी।

नौ ग्रामीण मोटर मार्गों को वित्तीय स्वीकृति दिलाने की मांग

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत ने केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र के सड़कविहीन गांवों को सड़क सुविधा से जोड़ने के लिए ग्राम्य विकास मंत्री भरत सिंह चौधरी को ज्ञापन दिया। उन्होंने नौ प्रस्तावित मोटर मार्गों को वित्तीय स्वीकृति देने की मांग की। इनमें कोटमा–स्यांसू मोटर पुल एवं मार्ग, रांऊलैंक–रांऊस्वर्ण मार्ग, उनियाणा–पौल्दी–दोणी–कालीशिला मार्ग, वरईधार से तल्ला बरंगाली मार्ग आदि शामिल हैं। उन्होंने मंत्री से इनकी स्वीकृति देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के कई गांव आज भी सड़क सुविधा से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि इन मोटर मार्गों के निर्माण से दूरस्थ गांवों के लोगों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

आयुष विभाग के चिकित्सकों का मांगों को लेकर आंदोलन शुरू

नई टिहरी। आयुष विभाग के चिकित्सकों ने लंबित सात सूत्री मांगों के निराकरण को लेकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन की शुरूआत कर दी। उन्होंने अपने कार्य क्षेत्रों में काली पट्टी बांध कर विरोध जताया। कहा कि सरकार की अनदेखी के कारण उन्हें आंदोलन करना पड़ा है। राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ के आह्वान पर पर जिले भर में आयुष चिकित्सकों ने सोमवार को अपनी बांह पर काली पट्टी बांध कर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। संघ के सचिव डॉ राममनी दुबे ने बताया कि टिहरी के सभी चिकित्साधिकारी संवर्ग की वर्षों से लंबित सेवा संबंधी समस्याओं का निराकरण करने, विभागीय निदेशक की नियुक्ति, एसीपी, एमएसीपी, डीएसीपी का लाभ देने, विभागीय ढांचे का पुनर्गठन, पदोन्नति, अध्ययन अवकाश की विसंगतियां दूर करने, स्थायीकरण, आधार आधारित बायोमेट्रिक, मोबाइल ऐप की व्यवस्था आदि समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई है। बताया 8 से 10 जून तक काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध दर्ज करते हुए ओपीडी का संचालन किया जाएगा। 11 और 12 जून को ओपीडी सेवाएं जारी रहेंगी लेकिन विरोध स्वरूप आंदोलनात्मक गतिविधियां संचालित की जाएंगी। 13 जून को जिला मुख्यालयों पर धरना–प्रदर्शन के साथ ओपीडी बहिष्कार किया जाएगा। 15 जून से पूर्ण कार्य बहिष्कार शुरू कर निदेशालय में धरना देंगे।

मौत के मामले का नहीं हुआ खुलासा, ग्रामीणों ने जताया विरोध

चमोली। विकासखंड के देवपुरी के राजेंद्र सिंह की मौत के मामले का अभी तक खुलासा नहीं होने पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। बैठक में ग्रामीणों ने प्रशासन और पुलिस के विरोध में नारेबाजी की और बैठक कर जल्द मामले का खुलासा करने की मांग की। सोमवार को ग्राम प्रधान किरन देवी और क्षेपंस महिलपाल सिंह कंडारी के नेतृत्व में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि 21 दिन बीत जाने के बाद भी मौत का खुलासा नहीं हो पाया है। ऐसे में पुलिस को अपनी जांच और तेज करनी चाहिए। बैठक में पूर्व क्षेपंस व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरेंद्र कंडारी ने कहा कि पुलिस अभी तक मामले का खुलासा नहीं कर पा रही है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि जल्द राजेंद्र सिंह की मौत का खुलासा नहीं किया गया तो आमरण अनशन किया जाएगा। इस मौके पर शकुंतला देवी, दिव्या, मुन्नी, राधा, देवी सिंह, खिलाफ सिंह ,खीम सिंह आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

शराबबंदी अभियान में सहयोग करने वालों को किया सम्मानित

नई टिहरी। जौनपुर विकास मंच ने समाज सुधार अभियान के तहत शराब बंदी मुहिम में सहयोग करने वालों को सम्मानित किया है। मंच ने कहा कि सभ्य समाज के लिए शराब जैसी कुप्रथा को समाप्त करने में सहयोग करने वालों को भविष्य में भी सम्मानित किया जाता रहेगा। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अभियान को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ ब्लॉक सभागार में जौनपुर विकास मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम में नशा मुक्ति अभियान में सहयोग करने वाले करीब 100 लोगों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नशा मुक्त अभियान में पालीगाड, दशज्यूला और छैज्यूला पट्टी के दर्जनों गांवों का विशेष सहयोग रहा है। बताया गया कि पिछले छह माह पूर्व जौनपुर विकास मंच थत्यूड़ ने गांव–गांव जाकर विवाह समारोह की मेहंदी रस्म, जन्मदिन, चूड़ाकर्म संस्कार सहित अन्य सभी मांगलिक कार्यक्रमों में शराब और मांस परोसने की प्रथा को प्रतिबंधित कर दिया था। विकास मंच ने प्रत्येक गांव में संबंधित प्रधान की अध्यक्षता में बैठक कर गांव के सभी लोगों ने मांगलिक कार्यक्रम में शराब मुक्त शादी समारोह आयोजित करने का संकल्प लिया था। इस मुहिम को और बढ़ाने के लिए मंच ने अभी तक शराब मुक्त अभियान में सहयोग करने वाले एक सौ से अधिक लोगों को प्रशस्ति पत्र और शॉल भेंटकर कर सम्मानित किया है।

दुनिया का नेतृत्व कर रहा भारत : धामी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सच हो रहा विकसित भारत का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केंद्र में लगातार 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर, प्रधानमंत्री सहित देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सशक्त, सक्षम और स्वाभिमानी भारत का सपना सच हो रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखंड भी नवोदय का संकल्प पूरा कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया को हर क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान कर रहा है। दुनिया के कुल डिजिटल लेन-देन का 56 प्रतिशत अकेले भारत में हो रहा है। कभी अपनी रक्षा जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर रहने वाला भारत आज रक्षा उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। अंतरिक्ष से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप से लेकर सेमीकंडक्टर निर्माण तक, भारत आत्मनिर्भरता के नए अध्याय लिख रहा है। अपने

संदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज तीव्र विकास कर रहा है। पीएम आवास योजना के तहत चार करोड़ पक्के घर, 81 करोड़ लोगों को हर माह मुफ्त राशन, 60 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत के तहत निःशुल्क उपचार की सुविधा और 40 लाख करोड़ रुपये का गारंटी मुक्त मुद्रा ऋणकृयह सब अंत्योदय को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा मनीषी ही कर सकता है। उन्होंने कहा कि आजादी के पहले सात दशक तक देश में कुल 3.2 करोड़ घरों में ही नल से पेयजल आपूर्ति हो पा रही थी, अब यह आंकड़ा चार गुना से अधिक बढ़कर 16 करोड़ तक पहुंच गया है। 2014 तक देश के केवल 5 शहर ही मेट्रो ट्रेन से जुड़े थे, अब इन शहरों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। मेट्रो रेल नेटवर्क भी 248 किलोमीटर से बढ़कर 1155 किलोमीटर हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी वंदन के अपने संकल्प को पूरा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन दिया है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत की यही नारी शक्ति दुश्मन देश पर भारी पड़ी। कभी देश बाह्य प्रायोजित आतंकवाद के साथ ही देश के अंदर पलने वाले नक्सल आतंक का शिकार था, आज देश नक्सल हिंसा को निर्णायक रूप से नियंत्रित करने के साथ–साथ सीमा पार स्थित आतंकी ढांचों को निशाना बनाने का साहस भी रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सब विकसित भारत के अमृतकाल में प्रवेश कर चुके हैं, ऐसे में उत्तराखंड के प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह इस परिवर्तन यात्रा का सक्रिय सहभागी बने। तभी प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक एक विकसित, आत्मनिर्भर और विश्व का मार्गदर्शन करने वाला राष्ट्र बन सकेगा।

रेल का सपना सच होने के करीब

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के विशेष प्रयासों आज ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना तेजी से पूर्णता की ओर बढ़ रही है, इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार ने टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन परियोजना को मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रदेश के 11 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में उत्तराखंड में हवाई सेवाएं भी सुदृढ़ हुई हैं। केंद्र सरकार के सहयोग से जॉलीग्रांट, पंतनगर और पिथौरागढ़ एयरपोर्ट का विस्तार किया जा चुका है। उड़ान योजना के तहत प्रदेश में 18 हेलीपोर्ट विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें से 12 पर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। वर्ष 2022 तक जहां राज्य में केवल दो हेलीपोर्ट थे,

यात्रा मार्ग पर मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर विकसित करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार, गोपेश्वर में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें रखीं। कार्यक्रम के दौरान कुल 40 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया। शेष प्रकरणों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

जनता मिलन कार्यक्रम में सिरण गांव की निवासी लीला देवी द्वारा गांव के संपर्क मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की शिकायत प्रस्तुत की गई। इस पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को मनरेगा के माध्यम से मार्ग निर्माण तथा अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई को आवश्यकतानुसार नहर निर्माण की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। नंदानगर क्षेत्र के ग्रामीणों ने छुपलागाड़ में जमा मलबे को हटाने की मांग उठाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी चमोली को एक सप्ताह के भीतर रिवर ट्रेजिंग कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए।

नंदानगर निवासी अवतार सिंह एवं राजेंद्र सिंह ने विस्थापन संबंधी समस्या से जिलाधिकारी को अवगत कराया। इस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार चमोली को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। बैठक के दौरान आगामी नंदा देवी राजजात यात्रा से संबंधित व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने यात्रा मार्ग पर मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर विकसित करने के निर्देश देते हुए जिला विकास अधिकारी एवं स्वजल विभाग को राजजात मार्ग पर पर्याप्त शौचालयों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

योग दिवस पर केदारनाथ धाम में होगा सामूहिक योग

रुद्रप्रयाग। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर जनपद में तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार 21 जून को केदारनाथ धाम, गुलाबराय मैदान रुद्रप्रयाग और श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में एक साथ सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं योग दिवस से पहले 16 जून को अगस्त्यमुनि स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रन फॉर योग कार्यक्रम होगा। वहीं योग के प्रचार–प्रसार के लिए जिलेभर में जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। आयुर्वेद विभाग की टीम विभिन्न सरकारी कार्यालयों में जाकर अधिकारियों और कर्मचारियों को नमस्ते योगा ऐप डाउनलोड कराने के साथ ही योग ब्रेक कार्यक्रम की जानकारी देगी। जिला प्रशासन ने 14 जून को होने वाले प्रयास–2026 ऑनलाइन योग सत्र में भी अधिक से अधिक लोगों को जुड़ने के लिए कहा। प्रशासन इस ऑनलाइन सत्र के माध्यम से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेगा। इसके लिए सभी से टोल फ्री नंबर 1800–315–7008 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीकरण करने को कहा गया।

गाजणा–पाली ग्राम पंचायत ने भी किया शराबबंदी का समर्थन

नई टिहरी। ग्राम पंचायत गाजणा–पाली भी शराबबंदी मुहिम में शामिल हो गया है। ग्रामीणों ने बैठक कर शादी समारोह की मेहंदी रस्म, जन्म दिन और चूड़ाकर्म संस्कार सहित अन्य किसी भी सार्वजनिक आयोजनों में शराब का वितरण और सेवन करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। गांव में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए ग्राम समाज सुधार समिति का भी गठन किया गया है। गांव में प्रधान जयसूरी देवी की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि विवाह समारोह और अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब परोसने और शराब पीकर सामाजिक माहौल खराब करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पंचायती फैसले का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा। बैठक में उपस्थित चंबा ब्लॉक प्रमुख सुमन सजवाण ने कहा कि ग्राम पंचायत गाजणा–पाली ने सराहनीय निर्णय लिया है। अन्य ग्राम पंचायतों को भी इस फैसले से प्रेरणा लेकर शराब बंदी मुहिम में शामिल होना चाहिए। शराब नहीं संस्कार मुहिम के प्रणेता सुशील बहुगुणा ने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण के गांव के लोगों ने यह सराहनीय निर्णय लिया है। ग्राम पंचायत का यह निर्णय केवल शराबबंदी नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सुरक्षा का संकल्प है। ग्राम समाज सुधार समिति में नीरज सजवाण अध्यक्ष, सुशीला देवी उपाध्यक्ष, वीना सुयाल सचिव, सुंदरी देवी सहसचिव, पुष्पा देवी कोषाध्यक्ष, अंजना सुयाल, विनिता सुयाल, गंगाराम सुयाल, रीना सुयाल, प्रतिक्षा सजवाण, वीना सजवाण और ललिता सजवाण को सदस्य नामित किया गया है। बैठक में जगदीश बडोनी, लक्ष्मी आदि मौजूद थे।

बांह पर काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

चमोली। महिला बेस अस्पताल में प्राथमिक सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर ग्राम प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष उमेश खंडूड़ी का सत्याग्रह आंदोलन चौथे दिन भी जारी रहा। उमेश खंडूड़ी ने कहा कि यदि अस्पताल में व्यवस्थाएं चाक चौबंद हो जातीं तो चमोली नहीं बल्कि अन्य जिलों को भी इसका लाभ मिलेगा। मरीजों को इलाज के लिए श्रीनगर या देहरादून नहीं जाना पड़ेगा। धरने को समर्थन देने वालों में ग्राम प्रधान डिम्मर विनीता देवी, चूलाकोट के भरत लाल, चंद्रकला नौटियाल, गिरीश नौटियाल, चंद्रशेखर मैठाणी, कुशला डिमरी, सुदीश गैरोला आदि मौजूद थे।

विवाहिता बहन की हत्या की आशंका पर निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दरबार में फरियादियों की खूब भीड़ दिखी। दूर–दराज से आए लोगों ने जमीन का मुआवजा, पेयजल, आपदा, संचार सुविधा और सड़क से हुए नुकसान का मुआवजा देने सहित कई समस्याओं के समाधान की गुहार लगाई। डीएम नितिका खंडेलवाल ने कई समस्याओं का समाधान कर अन्य संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।कलेक्ट्रेट में आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में सकलाना मरोड़ा से आए प्रदीप सिंह ने विवाहित बहन की हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। केपार्स के प्रधान संजय लाल शाह ने छतियारा रोड से केपार्स में बने खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा दीवार लगाने की गुहार लगाई। धनोल्टी में गोठ गांव के प्रधान लाखीराम चमोली जीआईसी धनोल्टी में कला वर्ग की मान्यता दिलाने की मांग की। जाखणीधार के कफलना निवासी कलम सिंह पंवार ने अंजनीसैण – कफलना सड़क निर्माण से मकान और आंगन को नुकसान का मुआवजा देने की मांग की। टिहरी तहसील के ग्राम रियूंटी निवासी गजेंद्र उनियाल ने आवासीय भवनों के लिए खतरा बने चीड़ के पेड़ों हटाने की मांग की। रौलाकोट के दिनेश सिंह रौलाकोट – सांदणा मार्ग से आवासीय भवन अधिग्रहण की स्थिति साफ करने, राज्य आंदोलनकारी नरेंद्र सिंह राणा ने गोरण मे आवंटित भूखंडों पर कब्जा दिलाने की मांग की। जाखणीधार के ग्राम नंदगांव निवासी वीरेंद्र दत्त ने सहखातेदार को निकटतम वारिश घोषित करने की मांग की। दरबार में जमीन, पेयजल, पेंशन और मुआवजा आदि की 66 लोगों ने शिकायतें दर्ज कर समाधान की गुहार लगाई।

बिना विस्थापन भवन तोड़ने के विरोध में तहसील में धरना शुरू

चमोली। भू–धंसाव से प्रभावित लोगों ने तहसील में मांगों के लिए दो दिवसीय धरना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि जिन भवनों को तोड़ा जा रहा है उन्हें विस्थापित भी नहीं किया गया है। उन्होंने विस्थापन करने समेत कई मांगें पूरा करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि दो दिन में मांगों पर कोई सहमति नहीं बनने पर आगे के आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।सोमवार को जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति से जुड़े लोग और आपदा प्रभावितों ने नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर में धरना शुरू किया। समिति के संयोजक अतुल सती ने कहा कि आपदा के तीन साल बाद नगर में सुरक्षात्मक कार्य शुरू किए गए। मगर अधिक प्रभावित स्थलों पर कार्य न होकर दूसरे स्थानों पर कार्य कराए जा रहे हैं। ऐसे में अब गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। पूर्व में इसको लेकर वैज्ञानिक कई सवाल उठा चुके हैं जिनपर कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिन भवनों को तोड़ा जा

रहा है उन्हें विस्थापित भी नहीं किया गया है। पूर्व में मुख्यमंत्री को 11 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा था जिसमें प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर भूमि के बदले भूमि, राजीव आवास व प्रधानमंत्री आवास, पुश्तैनी भवनों का मूल्यांकन कर उचित मुआवजा देने सहित अन्य मांगें शामिल हैं। आपदा प्रभावित ललीता देवी व मुकेश कुमार ने कहा कि पहले विस्थापन की प्रक्रिया शुरू हो उसके बाद भवनों को तोड़ा जाए। यदि इन मांगों पर सहमति नहीं बनती तो दो दिन बाद आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। इस अवसर पर प्रकाश भोटियाल, दीपक टम्टा, सचिन रावत, पुष्कर लाल, ज्योति देवी, भावना देवी, लक्ष्मी देवी, पिंकी देवी, सोनाली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कांचुल के पेड़ों से गांठें निकाल रहे वन तस्कर

चमोली। क्षेत्र के सेलंग गांव के ऊपर जगथाली के समीप स्थित कांचुल के पेड़ों से उनकी बहुमूल्य गांठें वन तस्करों की ओर से निकाले जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि हर दो–तीन वर्षों में तस्कर इन पेड़ों से गांठें निकाल लेते हैं जिससे पेड़ों को नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तस्करों पर सख्त कार्रवाई करते हुए कांचुल के पेड़ों की सुरक्षा की मांग की। ग्रामीण महादीप पंवार ने बताया कि वन तस्करों की गतिविधियों के कारण इन पेड़ों को लगातार क्षति पहुंच रही है। उन्होंने विभाग से दोषियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने और कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इस संबंध में वन क्षेत्र अधिकारी गौरव नेगी ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

भारतीय टीम की सबसे बड़ी टेस्ट जीत, अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हराया

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन ही अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से हरा दिय। इस मैच में अफगानिस्तान की टीम फॉलोऑन खेलते हुए अपनी दूसरी पारी में भी केवल 112 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं वह पहली पारी में 152 रनों पर आउट हो गयी थी, भारत की ओर से सबसे अधिक 6 विकेट मानव सुधार ने लिए। फॉलोऑन खेलने उतरी अफगानिस्तान की टीम दूसरी पारी में भी केवल 112 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। ऐसे में उसे पहली पारी के आधार पर 412 रनों की बढ़त मिली थी। इसके बाद भारतीय टीम ने अफगान टीम को फॉलोऑन के लिए बुलाया। अफगान टीम दूसरी पारी में भी टिक नहीं पायी और केवल 112 रन ही बना पायी। सलामी बल्लेबाज सिद्दीकुल्लाह अटल ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से सुंदर ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। कुलदीप यादव ने 3 विकेट, मोहम्मद सिराज ने 1 विकेट और मानव सुधार ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की थी। भारत की ओर से अपना पहला टेस्ट खेल रहे स्पिनर मानव सुथार ने इस मैच में काफी अच्छी गेंदबाजी कर कुल 7 विकेट लिए। सुधार ने पहली पारी में 22 ओवर में 33 रन देकर छह विकेट लिए जबकि दूसरी पारी में एक विकेट लिया। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने अफगानिस्तान की दूसरी पारी में चार विकेट जबकि कुलदीप यादव ने तीन विकेट लिए। इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पारी और रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत 300 रनों से हासिल की है। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले भारतीय टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी और 272 रनों से जीत हासिल की थी।

इस मैच में भारतीय टीम पूरी तरह से हावी रही। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने शतक लगाये जबकि साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक लगाया। शुभमन ने 15 चौके और 1 छक्के की मदद से 126 रनों की पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 11 चौके लगाकर 100 रन बनाए। साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने 81-81 रन जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 52 रन बनये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगान टीम सुधार की फिरकी में उलझ गयी और पहली पारी में 152 रन ही बना पायी। केवल रहमत शाह ही 60 रनों की पारी खेली जबकि बाकी सभी बल्लेबाज विफल रहे। सुथार ने सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन टेनिस खिताब जीता

पेरिस (एजेंसी)। जर्मन के टेनिस स्टार अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के फ्लावियो कोबोली को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 का पुरुष एकल खिताब जीत लिया है। ज्वेरेव ने खिताबी मुकाबले में कोबोली को 4 घंटे 16 मिनट तक चला, जिसमें ज्वेरेव ने कोबोली को 6-1, 4-6, 6-4, 6-7 (5-7), 6-1 से जीत दर्ज की। इसी के साथ ही जर्मन खिलाड़ी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब भी जीत लिया। पेरिस के प्रतिष्ठित रोलां गैरोस में खेला गया यह ऐतिहासिक मुकाबला 4 घंटे 16 मिनट तक चला। इस मैच में दूसरी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव शुरुआत से ही हावी रहे। पहले सेट में अपनी सर्विस और फोरहैंड का शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मन खिलाड़ी ने 6-1 से जीत दर्ज की। 10वीं वरीयता प्राप्त कोबोली ने दूसरे सेट में शानदार वापसी करते हुए ज्वेरेव को कड़ी टक्कर दी। कोबोली ने हुए दूसरा सेट 6-4 से जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला खड़ा किया। तीसरे सेट में ज्वेरेव ने एक बार फिर वापसी करते हुए हुए 6-4 से बढ़त बना ली। चौथा सेट बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा। इसमें दोनों खिलाड़ियों ने पूरी ताकत लगा दी। ये सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां कोबोली ने 7-5 से जीत हासिल की और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक पहुंचा दिया। इसके बाद ज्वेरेव की हार तय लग रही थी पर पांचवें सेट में, ज्वेरेव ने अपने अनुभव क इस्तेमाल करते हुए कोबोली की सर्विस दो बार तोड़ी और लगातार अंक हासिल हुए 6-1 से यह सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

यह जीत ज्वेरेव के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे पहले वह तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में हारे हैं। वह 2020 यूएस ओपन, 2024 फ्रेंच ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जीत के करीब पहुंचकर भी हार गए थे। इस बार जर्मन खिलाड़ी ने मानसिक मजबूती बनाये रखकर मुकाबले में जीत दर्ज की। इसी के साथ ही ज्वेरेव फ्रेंच ओपन के ओपन एरा में खिताब जीतने वाले पहले जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले, 1937 में जर्मनी के हेनर हेन्केल ने रोलां गैरोस का खिताब जीता था। इस लिहाज से, ज्वेरेव ने 89 साल के लंबे इंतजार को समाप्त करते हुए ये ट्रॉफी जीती है।

मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं सूर्यकुमार , केकेआर या सीएसके जाने की संभावना

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अब आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस को छोड़ सकते हैं। सूर्या के बाहर किये जाने की अटकलों को इस लिए भी बल मिल रहा है क्योंकि उन्होंने सोशल मीडिया में मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया है। इतना ही नहीं, उनके अकाउंट से मुंबई इंडियंस की जर्सी वाली तस्वीरें भी हट गयी हैं। इससे ये साफ होता है कि सूर्या अब मुम्बई इंडियंस से नहीं खेलेंगे।

सूर्यकुमार को हाल ही में इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया और उनसे कप्तानी से भी हटा दिया गया। गौरतलब है कि इस आईपीएल सत्र में भी मुंबई इंडियंस के लिए भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्हें पिछली बार मेगा नीलामी में मुंबई इंडियंस ने 16.25 करोड़ रुपये में बरकरार रखा था जिस पर इस बार भी बरकरार रख गया था। वह साल 2018 से ही लगातार मुंबई इंडियंस का अहम हिस्सा रहे हैं पर जिस प्रकार से उनका प्रदर्शन खराब हुआ है। उससे अब लगता है कि मुम्बई भी उन्हें आगे बनाये नहीं रखना चाहती।

ऐसे में अब कई रिपोर्ट्स ये दावा कर रही हैं कि अगर सूर्यकुमार मुंबई से बाहर जाते हैं तो वह अपनी पुरानी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) जा सकते हैं। केकेआर को भी अपने लिए एक बेहतर कप्तान और शीर्ष क्रम में एक अनुभवी भारतीय बल्लेबाज की जरुरत है। कोलकाता के अलावा सूर्या चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) भी जा सकते हैं। इसका कारण है कि सीएसके भी एक बेहतर बल्लेबाज की तलाश में है।

मुंबई के लिए उन्होंने अब तक कुल 127 मैचों में 4020 रन बनाए हैं, जिसमें दो शानदार शतक भी शामिल हैं। वहीं केकेआर के लिए अपने पहले कार्यकाल में सूर्या ने 60 मैचों में 684 रन बनाए थे, जिसमें चैंपियंस लीग टी20 के 127 रन भी शामिल हैं।

महंगी कीमतों से फीफा विश्व कप 2026 के प्रति प्रशंसकों का आकर्षण घटा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से शुरु होने जा रहे फीफा विश्वकप फुटबॉल को लेकर प्रशंसकों में वैसा उत्साह नहीं दिखता जो आम तौर पर देखा जाता है। इस कारण विश्वकप के महंगे टिकट, तीन देशों के बीच यात्रा का अत्यधिक खर्च और अमेरिका में प्रवेश संबंधी दिक्कतें हैं। इससे प्रशंसक घर से ही मैच देखना चाहते हैं।

इंग्लैंड के एक ऐसे ही प्रशंसका का कहना है कि उससे पिछले चार विश्व कप देखें पर इस बार वह यूरोप में ही रहकर टूर्नामेंट के कुछ मुकाबलों का आनंद पुर्तगाल के समुद्र तट पर लगी स्क्रीन में उठाएगा। वहीं अर्जेंटीना के प्रशंसक ने कहा कि वह इस बार केवल दो मैच देखकर ही स्वदेश लौट जाएगा। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि इस बार पहले की तादाद में कम प्रशंसक विश्वकप में दिखेंगे। विश्व कप के दौरान अपनी टीम का समर्थन करने के लिए लंबी छुट्टियां लेकर विदेश यात्रा करने वाले प्रशंसक आमतौर पर धानी वर्ग से आते हैं पर पिछले टूर्नामेंटों में सीमित साधनों वाले प्रशंसक भी वर्षों तक बचत कर इस विश्वकप में पहुंच जाते थे पर इस बा कीमतें अधिक होने से उनकी कमी रहेगी।

पिछली बार, ग्रुप चरण के सबसे निचले श्रेणी के टिकट 69 डॉलर में उपलब्ध थे। वहीं इस बार, फीफा उन्हीं टिकटों को 265 डॉलर तक में बेच रहा है, जो चार गुना से भी अधिक की कीमत है। इसके अलावा, रूस 2018 और कतर 2022 विश्व कप में मेजबान शहरों के बीच निःशुल्क परिवहन सुविधा दी गई थी, जबकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में फैले 16 स्टेडियमों के बीच यात्रा करना कहीं अधिक महंगा साबित रहेगा। पहले, फीफा के आधिकारिक पुनर्विक्रय रीसेल मंच पर टिकट मूल कीमत से अधिक पर नहीं बेचे जा सकते थे पर इस बार, संस्था ने प्रशंसकों को अपनी इच्छानुसार ऊंची कीमत पर टिकट बेचने की अनुमति दे दी है और हर लेनदेन पर 30 फीसदी शुल्क भी वसूल रही है। वहीं फीफा का कहना है किटिकटों की अधिक कीमतों के बाद भी मांग पर विशेष असर नहीं पड़ा है। प्रशंसकों का मानन है कि इस बार कीमतें काफी अधिक हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका अब तक का सबसे खराब मेजबान साबित होगा।

ट्राई-सीरीज : इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच आज पहला मैच, सूर्यवंशी पर रहेगी नजर

मुम्बई । मंगलवार 09 जून 2026 से इंडिया ए, श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के बीच 7 मैचों की वनडे ट्राई सीरीज शुरू हो रही है। पहला मैच इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेला जाएगा और इस दौरान सभी की नजरें युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। सूर्यवंशी का क्रेज जबरदस्त है। स्क्वाड में उनका नाम घोषित होने के बाद ब्रॉडकास्टर्स ने अपनी रणनीति पर फिर से विचार किया। असल में इस सीरीज के लिए कोई ब्रॉडकास्टिंग चैनल तय नहीं था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक BCCI की घोषणा के बाद सोनी स्पोर्ट्स मैच को लाइव दिखाने के लिए तैयार हो गया।

वैभव को अपने अनुसार खेलने दें, उसपर बेवजह दबाव न बनायें : गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी पर अभी से दबाव डालना सही नहीं है। साथ ही कहा कि वह अभी बच्चा है और उसे अपने अनुसार खेलने दें। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव को आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा है कि वैभव पर किसी तरह का बेवजह का दबाव न बनाये और उसे अपने स्वाभविक अंदाज में खेलने दें। गांगुली ने से बातचीत में प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से विशेष तौर पर अपील की कि वे वैभव पर अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ न डालें। गांगुली ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें उसे उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए। वह अभी केवल 15 साल का बच्चा है और मुझे नहीं लगता कि वह दबाव के बारे में बहुत अधिक सोचता होगा। आईपीएल में हमने देखा कि वह निडर होकर खेलता है हालांकि भारतीय टीम के लिए खेलना एक बिलकुल अलग अनुभव है, और वह उन विदेशी दौरों पर जा रहा है जहां की पिचें काफी हमारे यहां से काफी अलग होंगी।' गांगुली का मानना है कि वैभव में अपार प्रतिभा है पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत में उनसे तुरंत चमत्कारी प्रदर्शन की उम्मीद नहीं करनी चाहिये। उन्होंने जोर देकर कहा, 'उसे बस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने पैर जमाने का अवसर दें। भारत में कई अन्य खिलाड़ियों की तरह उसके पास भी जबरदस्त प्रतिभा है, इसलिए उम्मीदों का बोझ डालकर उसे परेशान न करें।' वैभव के लिए असली परीक्षा अब शुरू होगी। भारतीय टीम को 26 और 28 जून को आयरलैंड में दो टी20 मैच खेलने हैं, जिसके तुरंत बाद 1 जुलाई से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज होनी है। आईपीएल की सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर छक्के उड़ाना अलग बात है पर इंग्लैंड में यूनाइटेड तेज और उछल भरी पिचों पर अपने को साबित करना बिल्कुल अलग चुनौती होगी।

संन्यास के सवाल पर भड़कीं हरमनप्रीत

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय टी20 विश्वकप खेलने के लिए लंदन गयी हुई है। इसी दौरान सभी कप्तानों के लिए आयोजित एक संयुक्त पत्रकार वार्ता में संन्यास को लेकर पूछे गये सवाल पर भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भड़क गयीं। हरमनप्रीत ने उल्टे उस रिपोर्टर से ही पूछ लिया कि वह इस प्रकार के सवाल क्यों पूछ रहा है। इस बातचीत का एक वीडियो भी। सोशल मीडिया पर आया है। इसमें दिख रहा है कि हर पत्रकार वार्ता में रिपोर्टर बारी-बारी से हर कप्तान से सवाल पूछे जा रहे थे। जब भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की बारी आई, तो एक रिपोर्टर ने उनसे सीधा सवाल किया, क्या यह आपका आखिरी विश्व कप है? आप इस पर क्या कहना चाहेंगी? इस सवाल पर हरमनप्रीत ने उलटे रिपोर्टर से ही पूछ लिया। उन्होंने कहा, यह मेरा आखिरी विश्व कप क्यों? क्या आप चाहते हैं कि मैं सन्यास ले लूं? हरमनप्रीत के इस तीखे जवाब से रिपोर्टर झेंप गया। उसने तुरंत

अपनी बात संभालते हुए कहा, नहीं, मैं बस जानना चाह रहा था। मुझे यह सुनकर अच्छा लगा कि यह आपका आखिरी विश्व कप नहीं है। रिपोर्टर के इस जवाब पर भी हरमनप्रीत ने अपनी बात पूरी करते हुए पूछा, फिर आप ऐसा पूछ क्यों रहे हैं? हरमनप्रीत के इस अंदाज से पता चलता है कि वह बेहद स्पष्टवादी हैं।

गौरतलब है कि महिला टी20 विश्व कप 2026 का शुरुआती मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच 12 जून को खेला जाएगा। वहीं, भारतीय टीम अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 14 जून को परंपरागत-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। लीग स्टेज में भारत को कुल पांच मैच खेलने हैं। पाकिस्तान के बाद, भारतीय टीम का अगला मुकाबला 17 जून को नीदरलैंड्स से होगा। इसके बाद, 21 जून को भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। भारतीय टीम अपना अपना चौथा लीग मैच 25 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। वहीं अपना अंतिम मुकाबला 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। विश्वकप में कुल 12 टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें छह-छह टीमों के दो ग्रुप, ग्रुप ए और ग्रुप बी में बांटा गया है। भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है, जिसमें कुछ बेहद मजबूत टीमें भीशामिल हैं। इसी को लेकर हरमनप्रीत ने कहा कि टीम किसी भी प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कर सकता है कोच और कप्तान में बदलाव ,सरफराज और शान होंगे बाहर

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पाक टीम की करारी हार से बेहद नाराज है। पीसीबी अब कोच और कप्तान में बदलाव करने जा रहा है। इसी के तहत ही पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी टीम के मुख्य कोच सरफराज खान और कप्तान शान मसूद को उनके पदों से हटाकर नये कोच और कप्तान नियुक्त करने जा रहे हैं। पीसीबी पूर्व क्रिकेटर यूनिस खान को कोच जबकि मोहम्मद हफीज को नया कप्तान बनाना चाहता है। बांग्लादेश ने हाल ही में समाप्त हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज में पाक को 2-0 से हरा दिया था। इसी को देखते हुए पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के सलाहकारों ने टेस्ट टीम में बदलाव की सलाह दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी इस समय यूनिस और ऑलराउंडर हफीज के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। बोर्ड चाहता है कि ये दोनों दिग्गज राष्ट्रीय टीम में मुख्य भूमिकाएं संभालें। यूनिस और हफीज दोनों की ही पीसीबी अधिकारियों के साथ बोर्ड में प्रमुख पदों पर शामिल होने को लेकर बात हुई है, हालांकि, अभी तक चीजों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। वहीं मुख्य कोच सरफ़राज़ खान को हटाकर बोर्ड उन्हें वापस नेशनल अंडर-19 और 'ए' टीमों के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपना चाहता है पर सरफराज को तभी हटाया जा सकता है जब पीसीबी पूर्व कप्तान यूनिस खान के साथ किसी समझौते पर पहुंच जाएगा। वहीं यूनिस ने पीसीबी में कोई भी पद स्वीकार करने के लिए बेहद कड़ी शर्तें रखी हैं, जिन पर अभी बात चल रही है। वहीं लगातार हार के बाद मसूद की टेस्ट कप्तानी भी जाना तय है। बोर्ड उन्हें कप्तान पद से हटाने पर विचार कर रहा है, लेकिन मसूद ने बोर्ड से कुछ और समय की मांग की है। शान मसूद चाहते हैं कि आगामी वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली विदेशी टेस्ट सीरीज में उन्हें टीम का नेतृत्व करने का एक और मौका दिया जाए। पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच 25 जुलाई से ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी में खेलना है, जो मसूद के भविष्य के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। दूसरी ओर, मोहम्मद हफीज को मुख्य चयनकर्ता और 'हेड ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेट' जैसे बड़े पदों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

ब्राजील ने चोटिल वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में एडरसन को किया शामिल

ब्रासीलिया । ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने चोटिल डिफेंडर वेस्ली की जगह अपनी विश्वकप टीम में मिडफील्डर एडरसन को शामिल किया है। मिस्र के खिलाफ शनिवार को ब्राजील की 2-1 से मैत्री जीत में खेलने वाले वेस्ली को बाएं पैर की जांघ की मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा। बाद में मेडिकल टेस्ट से पुष्टि हुई कि इस चोट के कारण रोमा के विंग-बैक खिलाड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। ब्राजीलियन फुटबॉल परिसंघ (CBF) ने जारी एक बयान में कहा कि वेस्ली 'टीम के बहुत चहेते' हैं और वर्ल्ड कप में न खेल पाने के बावजूद उन्हें टीम की भविष्य की योजनाओं का हिस्सा माना जाएगा। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने पुष्टि की है कि अंतिम मंजूरी मिलने के बाद अटलांटा के एडरसन को 26 खिलाड़ियों वाली टीम में उनकी जगह बुलाया जाएगा। उम्मीद है कि एडरसन सोमवार को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में राष्ट्रीय टीम के ट्रेनिंग कैंप में शामिल होंगे। 26 वर्षीय एडरसन ब्राजील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए तीन बार सीनियर स्तर पर खेल चुके हैं, जिसमें लगभग दो साल पहले मैक्सिको के खिलाफ एक मैत्री मैच में शुरुआती लाइन-अप में शामिल होना भी शामिल है। वह कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका में होने वाले विश्वकप में खेलने वाले 60 से अधिक सीरी-ए खिलाड़ियों में से एक हैं। ब्राजील अपने विश्व कप ग्रुप सी अभियान की शुरुआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगा, इसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच होंगे।

फ्लोरेंटिनो पेरेज चुनाव जीते, साल 2030 तक रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट बने रहेंगे

मैड्रिड रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट फ्लोरेंटिनो पेरेज को एक बार फिर चुनावों में जीत हासिल हुई। दो दशक के बाद हुए इन चुनावों के बाद अब वह साल 2030 तक के लिए रियल के प्रेसिडेंट बने रहेंगे। 79 वर्षीय पेरेज को अब अगले चार साल तक क्लब संभालने की जिम्मेदारी मिल गयी है। वहीं क्लब के इलेक्टोरल बोर्ड द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पेरेज को कुल वोटों में से 65 फीसदी हासिल किये। उन्हें 21,741 सोसियोस (क्लब के सदस्य-मालिक) के वोट मिले। वहीं उनके विरोधी 37 वर्षीय रिन्यूएबल एनर्जी एंटरप्रेन्योर एनरिक रिक्वेल्मे को केवल 11,814 वोट ही मिले, जो कुल वोटों का 35 फीसदी था। रियल मैड्रिड के इलेक्टोरल बोर्ड ने 100 फीसदी इन-पर्सन और मेल-इन वोटों की गिनती के बाद घोषणा की कि पेरेज की टीम ने रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव जीत लिए हैं। रियल मैड्रिड सिटी बास्केटबॉल पवेलियन में कुल 33,555 सदस्यों ने इन-पर्सन और मेल-इन बैलेट के जरिए मतदान किया। दोबारा चुने जाने के बाद, पेरेज ने अपनी जीत को एक बहुत अच्छा परिणाम बताया। उन्होंने कहा, हम चुनाव जीत गए हैं और खिताब जीतते रहने के लिए काम करते रहेंगे। हमने सभी पोलिंग स्टेशन पर जीत हासिल की है और रियल मैड्रिड के चुनावों के इतिहास में दूसरा सबसे बेहतरीन परिणाम दर्ज किया है। फ्लोरेंटिनो पेरेज की इस जीत के साथ ही रियल मैड्रिड में अब बड़े बदलाव की तैयारी है। उनकी वापसी का मतलब है कि सोमवार को जोस मोरिन्हो को क्लब का नया मैनेजर आधिकारिक रूप से घोषित किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मोरिन्हो को टीम में वापस लाने के लिए रियल मैड्रिड पुर्तगाली क्लब बेनफिका को 1.5 करोड़ यूरो (15 मिलियन यूरो) की रिलीज फीस का भुगतान करेगा।

ऑस्ट्रेलिया ओपन:सिंधू की निगाह खिताब पर, पुरुष वर्ग में आयुष करेंगे अगुवाई

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से यहां शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं।

पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है। सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशारानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड-ऑफ-16 में पहुंची थी जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था।

अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती है तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है। फाइनल में उनका मुकाबला थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से हो सकता है। महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चियू पिन-चियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा।

अनमोल खरब को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी कश्यप का मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से, जबकि तान्या हेमंत का अमेरिका की इशिका जायसवाल से होगा। पुरुष एकल में विश्व के 20वें नंबर के खिलाड़ी और यहां छठी वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी अपना पहला मैच क्वालीफायर के खिलाफ खेलेंगे। एचएस प्रणय का मुकाबला इंडोनेशिया के मोहम्मद जाकी उबा से होगा, जबकि किरण जॉर्ज पहले दौर में मलेशिया के जस्टिन होह का सामना करेंगे।

पुरुष युगल में इंडोनेशिया ओपन में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन को पहले दौर

में चीनी ताइपे के ली फांग-चिह और ली फांग-जेन की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अच्युतादित्य राव डोड्डावारापू और पोचना अर्जुन रेड्डी का मुकाबला चीन के हुआंग डि और लियू यांग से होगा। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में कोई भी भारतीय जोड़ी भाग नहीं ले रही है। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी हांगकांग के चान यिन चक और एनजी त्स यौ के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।